Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2023-25
www.dainikvishwaparivar.com
रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 239 ● वर्ष : 13 ● रायपुर, शनिवार 21 फरवरी 2026 ● पृष्ठ : 12 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

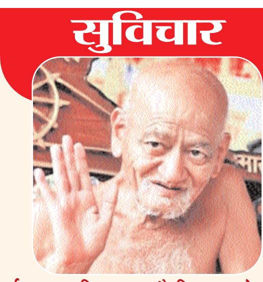

जैन धर्म का मूल विस्तार यह है कि वह प्रत्येक आत्माओं को परमात्मा बनाने की क्षमता को बताता है।

The fundamental of jainism is that it explains every soul's capability to become god.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

अमित शाह ने किया वाइब्रेंट विलेजेज-2 की शुरुआत

■ सीमांत गांवों के समग्र विकास पर दिया जोर

गुवाहाटी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को असम के नाथनपुर गांव से 6,839 करोड़ रुपए की लागत वाले वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम-2 की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि इस पहल के माध्यम से बराक घाटी और असम के सीमांत जिलों के गांवों को देश के अन्य विकसित गांवों जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। अमित शाह ने कहा कि पहले सीमांत गांवों को देश का अंतिम गांव माना जाता था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इन्हें देश का 'प्रथम गांव' बनाने की नीति अपनाई गई है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम से सीमावर्ती गांव विकास, रोजगार, शिक्षा, सड़क और दूरसंचार के क्षेत्र में नई पहचान बनाएंगे। उन्होंने बताया कि वाइब्रेंट विलेजेज-2 के तहत लगभग 6,900 करोड़ रुपए की लागत से 17 राज्यों के 334 ब्लॉक्स के 1,954 गांवों को शामिल किया गया है। इनमें असम के 9 जिलों के 26 ब्लॉक्स और 140 गांव शामिल हैं, जहां बुनियादी सुविधाओं का व्यापक विस्तार किया जाएगा। कार्यक्रम के तहत अंतर्राष्ट्रीय सीमा से सटे क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था, योजनाओं का पूर्ण क्रियान्वयन और बेहतर कनेक्टिविटी पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। शाह ने कहा कि इससे सीमावर्ती क्षेत्रों में पलायन रुकेगा और राष्ट्रीय सुरक्षा को भी मजबूती मिलेगी।

कलेक्टर ने धाम खरीदी प्रभारी के खिलाफ कार्रवाई करने का दिया निर्देश

सबसे बड़ा धान घोटाला, सवारावा खरीदी केंद्र से 32838 क्विंटल धान गायब

■ प्रशासन धाम सत्यापन के बाद कुछ कार्रवाई करने में खुद को पा रही है असमर्थ

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में स्थित सावारवा धान खरीदी केंद्र से इस साल का सबसे बड़ा धान घोटाला की खबर सामने आया है।

बताया जा रहा है कि भैयाथान एसडीएम के नेतृत्व में एक सप्ताह पूर्व प्रशासनिक अधिकारियों ने खरीदी केंद्र में जाकर खरीदे गए धान का भौतिक सत्यापन किया जिसमें सामने आये आंकड़े को देख अधिकारी भी असंभित रह गए,, इतनी सतत निगरानी के बावजूद इतना बड़ा धान घोटाला आखिर कैसे हो गया, प्रशासनिक तंत्र जांच में जुटी है। भौतिक सत्यापन करने पश्चात एसडीएम भैयाथान चांदनी कंवर ने प्रतिवेदन कलेक्ट कार्यालय में जमा कर दिया है। सूत्रों के मुताबिक प्रतिवेदन में स्पष्ट उल्लेख है कि धान खरीदी केंद्र संवारावा में इस वर्ष 164534 बोरी में 65813.60 क्विंटल धान खरीदा गया ,, जिसमें से मौके पर 82439 बोरी में 32975.60 क्विंटल धान भंडारित पाया गया। सूत्रों के मुताबिक 82095 बोरी,यानी 32838 क्विंटल धान मौके से गायब है जिसकी कीमत लगभग 10 करोड़ 18 लाख बताई जा रही है हालांकि आधिकारिक रूप से इस घोटाले की खबर सामने नहीं आई है। लेकिन भौतिक सत्यापन के दौरान मौके पर मौजूद स्थानीय जनपद सदस्य प्रतिनिधि नेहा सिंह द्वारा इस खबर को कुछ दिन पूर्व बाकायदा वीडियो बनाकर सोशल मीडिया के माध्यम से पूरे आंकड़ों के साथ जनता के बीच रखा गया था।

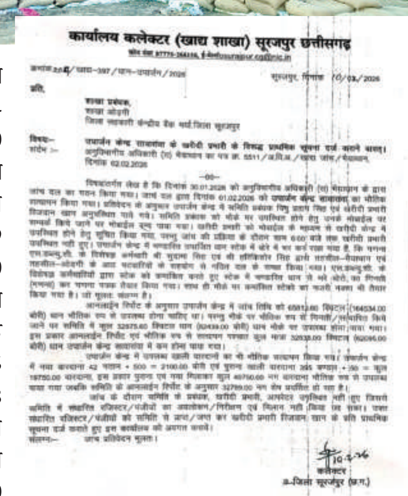

कार्यालय कलेक्टर (खाद्य शाखा) सूरजपुर छत्तीसगढ़

1 अप्रैल से टोल नाके पर बंद हो सकता है नगद भुगतान

नई दिल्ली। देशभर के राष्ट्रीय राजमार्ग टोल प्लाजा पर पूरी तरह डिजिटल टोल व्यवस्था विकसित करने के लिए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण 1 अप्रैल 2026 से नकद भुगतान पूरी तरह बंद करने पर विचार कर रहा है। इसके लागू होने के बाद सभी टोल भुगतान केवल डिजिटल माध्यमों से किए जाएंगे, जिसमें फास्टटैग या यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस शामिल होगा। इस कदम का उद्देश्य इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन से मिले लाभ को मजबूत करना और टोल प्लाजा के संचालन को अधिक सक्षम और भरोसेमंद बनाना है। इससे यात्रियों के लिए सफर आसान होगा, लेन की आवाजाही तेज होगी, जाम कम होगा और टोल लेनदेन में पारदर्शिता और एकरूपता बढ़ेगी। पिछले कुछ वर्षों में फास्ट टैग के 98 प्रतिशत से अधिक उपयोग ने देश में टोल

राज्य सरकार जल संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने के लिए प्रतिबद्ध : सीएम साय

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी. आर. पाटिल की संयुक्त अध्यक्षता में आज नवा रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में आयोजित बैठक में प्रदेश में जल संचय-जन भागीदारी 2.0 अभियान के क्रियान्वयन की गहन समीक्षा की गई। केंद्रीय मंत्री श्री पाटिल इस बैठक में वर्चुअली शामिल हुए और बैठक को संबोधित किया। इस दौरान बिलासपुर, दुर्ग और सूरजपुर जिले के कलेक्टरों ने अपने-अपने जिलों में अभियान के अंतर्गत संचालित कार्यों और गतिविधियों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि जल संकट 21वीं सदी की केवल गंभीर पर्यावरणीय ही नहीं, बल्कि आर्थिक, सामाजिक और विकासात्मक चुनौती भी बन चुका है। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण को स्थायी और प्रभावी बनाने के लिए जनभागीदारी अनिवार्य है।उन्होंने देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के उस संदेश का उल्लेख किया, जिसमें पानी के उपयोग को प्रसाद के समान मानते हुए जल के प्रति संवेदनशील और जिम्मेदार दृष्टिकोण अपनाने पर जोर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन से प्रेरित होकर राज्य सरकार जल संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने के लिए प्रतिबद्ध है।

भारत-पाकिस्तान मैच ने तोड़े डिजिटल रिकॉर्ड

नई दिल्ली। भारत-पाकिस्तान के हाई-वोल्टेज मुकाबले ने व्यूअरशिप के सभी पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर इस मैच को 16.3 करोड़ यूजर्स ने देखा। यह टी-20 फॉर्मेट में किसी भी आईसीसी इवेंट के लिए एक मैच की सबसे ज्यादा रीच है। यह मैच 15 फरवरी को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेला गया था। इस मैच को 20 बिलियन मिनट देखा गया है। इसने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर 2024 टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल मैच को भी पीछे छोड़ दिया है।

देश से गद्दारी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा: एलजी सिन्हा

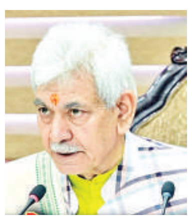

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने चेतावनी दी है कि देश के खिलाफ गद्दारी करने वालों और आतंकवादियों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि सुरक्षा एजेंसियां आतंकवाद से जुड़े सभी मामलों की गंभीरता से जांच करेंगी और दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। मनोज सिन्हा ने कश्मीरी पंडितों की सम्मान के साथ घर वापसी को लेकर केंद्र की प्रतिबद्धता दोहराई। कहा कि कश्मीरी पंडितों की पूरी इज्जत और सुरक्षा के साथ वापसी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वादा है। उन्होंने कहा, अपनी धरती पर अजनबी बन जाना दुनिया के सबसे बड़े दुखों में से एक है।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने वीरवार को कश्मीरी पंडितों की सम्मान के साथ घर वापसी को लेकर केंद्र की प्रतिबद्धता दोहराई। कहा कि कश्मीर पंडितों की पूरी इज्जत और सुरक्षा के साथ वापसी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वादा है। एलजी प्रो. अशोक कौल की किताब कश्मीर-नेटिविटी रीगेंड के विमोचन समारोह में बोल रहे थे। जम्मू विश्वविद्यालय के राजेंद्र सिंह सभागार में हुए कार्यक्रम में सिन्हा ने कहा कि अपनी धरती पर अजनबी बन जाना दुनिया के सबसे बड़े दुखों में से एक है। अपनी जड़ों से उजड़ जाने का दर्द आज भी बेघर हुए परिवारों की रगों में कांटों की तरह चुभता है।

रायपुर बना राष्ट्रीय व्यापार का केंद्र, कैट नेशनल ट्रेड एक्सपो 2026 का शुभारंभ

रायपुर (विश्व परिवार)। देश के सबसे बड़े व्यापारी संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड (भारत सरकार) के सदस्य श्री अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमेन श्री जितेंद्र दोशी, श्री विक्रम सिंहदेव, अध्यक्ष श्री परमानंद जैन, महामंत्री श्री सुरिन्दर सिंह, कोषाध्यक्ष श्री अजय अग्रवाल, कार्यकारी अध्यक्ष श्री राजेंद्र जग्गी, श्री राम मंधान, श्री वासु मखीजा, श्री भरत जैन, श्री राकेश ओचवानी, श्री शंकर बजाज ने संयुक्त रूप से बताया कि राजधानी रायपुर के बीटीआई ग्राउंड, शंकर नगर में आज देश के सबसे प्रतिष्ठित व्यापारिक आयोजनों में से एक CAIT नेशनल ट्रेड एक्सपो 2026 का विधिवत, गरिमामयी एवं भव्य शुभारंभ संपन्न हुआ। देशभर से पधारे व्यापारियों, उद्योगपतियों, उद्यमियों एवं स्टार्टअप प्रतिनिधियों की उल्लेखनीय उपस्थिति में यह आयोजन भारत की उभरती व्यापारिक शक्ति का सशक्त प्रतीक बनकर सामने आया।

इस ऐतिहासिक एक्सपो का शुभारंभ Confederation of All India Traders (CAIT) के संरक्षक समिति श्री परविंदर सिंह भाटिया, श्री रामजी पटेल तथा सलाहकार समिति सदस्य श्री मनमोहन अग्रवाल ,श्री भरत बजाज, विजय गोयल, कीर्ति व्यास जी एवं राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन अमर पारवानी एवं अतिथियों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार एवं पूजन-अर्चन के साथ दीप प्रज्वलित कर विधिवत रूप से किया गया। शुभारंभ अवसर पर पूरे परिसर में उत्साह, ऊर्जा एवं सकारात्मकता का वातावरण स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुआ।

CAIT के राष्ट्रीय वाईस चेयरमेन श्री पारवानी ने अपने संबोधन में कहा कि "CAIT नेशनल ट्रेड एक्सपो 2026 केवल एक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि देश के व्यापारिक भविष्य की दिशा तय करने वाला मंच है। यह आयोजन व्यापारियों, उद्योगों और नवाचारों को एक साझा मंच प्रदान कर आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। एक्सपो परिसर को अत्यंत भव्य, आकर्षक एवं आधुनिक स्वरूप में सजाया गया है। देश के विभिन्न राज्यों से आए प्रदर्शक लघु एवं मध्यम उद्योग, स्टार्टअप्स, महिला उद्यमिता, हस्तशिल्प, एफएमसीजी, फूड प्रोसेसिंग, टेक्नोलॉजी, ऑटोमोबाइल एवं अन्य अनेक क्षेत्रों में अपने उत्पादों एवं सेवाओं का प्रभावशाली प्रदर्शन कर रहे हैं। यह आयोजन व्यापारिक नेटवर्किंग, नए व्यापारिक अवसरों और निवेश संभावनाओं का एक सशक्त केंद्र बनकर उभरा है।

23 फरवरी से शुरू होगा विधानसभा का बजट सत्र

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र की तारीखें तय कर दी गई हैं। विधानसभा सचिवालय की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक बजट सत्र की शुरुआत 23 फरवरी से होगी, जो 20 मार्च तक चलेगा। इस दौरान विधानसभा में कुल 15 बैठकें आयोजित की जाएंगी। छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र की तारीखें तय कर दी गई हैं। विधानसभा सचिवालय की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक बजट सत्र की शुरुआत 23 फरवरी से होगी, जो 20 मार्च तक चलेगा। इस दौरान विधानसभा में कुल 15 बैठकें आयोजित की जाएंगी। सत्र के पहले दिन राज्यपाल रमेन डेका सदन को संबोधित करेंगे। उनके अभिभाषण के साथ ही बजट सत्र की औपचारिक शुरुआत होगी। राज्यपाल अपने संबोधन में सरकार की नीतियों, उपलब्धियों और आगे की योजनाओं की जानकारी देंगे। बजट सत्र के दौरान राज्य सरकार वित्तीय वर्ष के आय-व्यय का विवरण सदन में प्रस्तुत करेगी। इसके साथ ही विकास कार्यों, जनहित से जुड़े मुद्दों और सरकारी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा होगी। इस सत्र में नए विधेयकों के साथ-साथ अनुपूरक बजट पर भी विचार किया जा सकता है। माना जा रहा है कि कई अहम मुद्दों को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस देखने को मिलेगी। बजट सत्र को लेकर सभी राजनीतिक दलों ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। वित्त मंत्री ओपी चौधरी के अनुसार, यह बजट सिर्फ वार्षिक आर्थिक दस्तावेज नहीं होगा।

20 मार्च तक चलेगी सदन की कार्यवाही

6 एकड़ निजी भूमि पर की जा रही अवैध प्लाटिंग पर रोक लगायी

रायपुर (विश्व परिवार)। आज रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त श्री विश्वदीप के निर्देशानुसार नगर निगम जोन 9 जोन कमिश्नर श्री अंशुल शर्मा सीनियर के मार्गनिर्देशन और कार्यपालन अभियंता श्री शरद ध्रुव, सहायक अभियंता श्री सैयद जोहेब, उपअभियंता श्री आशुतोष पाण्डेय की उपस्थिति में अभियान चलाकर नगर निगम जोन 9 नगर निवेश विभाग की टीम द्वारा जोन क्षेत्र अंतर्गत सड्डू क्षेत्र में लगभग 6 एकड़ निजी भूमि पर की जा रही अवैध प्लाटिंग पर वहाँ निर्मित अवैध सड़क को जेसीबी मशीन की सहायता से काटकर सड़क आवागमन बाधित करते हुए और अवैध बाउंड्रीवाल को तोड़कर स्थल पर तत्काल कारगर रोक लगायी गयी.

कुछ गाड़ियों का परिचालन प्रभावित रहेगा

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के नागपुर रेल मंडल अंतर्गत स्थित गोंदिया स्टेशन एक महत्वपूर्ण जंक्शन स्टेशन है, जहाँ यात्री एवं कोचिंग ट्रेनों का ठहराव एवं प्राथमिक अनुरक्षण कार्य नियमित रूप से किया जाता है । इसी क्रम में स्टेशन की लाइन संख्या-05 पर वॉशेबल एप्रन निर्माण कार्य प्रस्तावित किया गया है।

बिजली दर वृद्धि, कांग्रेसजनों ने किया प्रदर्शन

रायपुर। राज्य विद्युत नियामक आयोग द्वारा बिजली दरों में प्रस्तावित वृद्धि के विरोध में शहर जिला कांग्रेस कमेटी ने आज जनसुनवाई में सशक्त आपत्ति दर्ज कराई। न्यू शांति नगर स्थित आयोग कार्यालय के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया।

निगम में अवकाश के दिनों में भी राजस्व वसूली

राजनांदगांव। वित्तीय वर्ष की समाप्ति को ध्यान में रखते हुये एवं शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप राजस्व कर की प्राप्ति के लिये निगम सीमांतर्गत सम्पत्तिकर,समेकितकर,जलकर एवं दुकान किराया की वसूली को दृष्टिगत रखते हुये निगम कार्यालय अवकाश के दिनों में भी निगम कार्यालय के राजस्व विभाग में चालू रहेगा। वित्तय वर्ष 2025-26 में राजस्व वसूली शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप करने महापौर श्री मधुसूदन यादव एवं आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा के निर्देश पर कर दाताओं की सुविधा हेतु कर की राशि जमा करने समस्त अवकाश के दिनों में ।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./ 28781/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2026
रायपुर, दिनांक 20-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28781
वार्ड का नाम-47 -मदर टेरेसा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 47 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR443F0146B** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **J.S. ARORA** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O JEEWAN SINGH** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **DEEPAK BHARDWAJ** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O KRISHNA CHAND BHARDWAJ** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./28820/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 20-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28820
वार्ड का नाम- 52 - डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 52 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446J01755** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **ANJALI KEWLANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DHIRAJ KEWLANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SHWETA DUBEY** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHANKAR SAMBHU DUBEY** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री विवेकानन्द दुबे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

NAME CHANGE

It is informed to the general public that I, **ARVINDER KAUR PANESAR W/O SHRI BALWINDER SINGH** resident of 124K Vivekanand Nagar (East) ward no 2 Baloda Bazar Distt Baloda Bazar(C.G.) have changed **MY OLD NAME ARVINDER KAUR PANESAR W/O BALWINDER SINGH** so in future I should be recognized by my new name that is **ARVINDER KAUR W/O BALWINDER SINGH** in all Government and other documents.

ARVINDER KAUR
124K Vivekanand Nagar East
Ward no 2 Baloda Bazar
Distt Baloda Bazar C.G
PIN 493332

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./28753/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2026
रायपुर दिनांक : 20-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28753
वार्ड का नाम- 68-डॉ. खूबचंद बघेल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 68 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR567G0822B** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **SOHAM SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ROHIT KUMAR SAHU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **NIRUPA CHANDRAKAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **BUDHRAM CHANDRAKAR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./ 28704/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2026
रायपुर दिनांक : 20-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28704
वार्ड का नाम- 39-ठाकुर प्यारे लाल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 39 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR569L0525B** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **SHAILESH DIWAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **GOVARDHAN DIWAN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SANJU DIWAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. SHAILESH DIWAN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./28761/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2026
रायपुर दिनांक : 20-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28761
वार्ड का नाम- 42 -महंत लक्ष्मीनारायण दास वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 42 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR565C00172** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **BANSHILAL PUNJABI, BHAWANA PUNJABI, ROHIT PUNJABI, HIMANSHU PUNJABI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LT. JHAMAN DAS , LT. RAMESH PUNJABI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **TANVEE BEN SONI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **HEMANT SONI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./28828/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2026
रायपुर दिनांक : 20-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28828
वार्ड का नाम- 67-भक्तमाता कर्मा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 67 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR663I0221A** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **SURESH SINGH GAHLOT** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MANGAL SINGH GAHLOT** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **TOMIN SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **JAY KUMAR SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./28782/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2026
रायपुर, दिनांक 20-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28782
वार्ड का नाम-47 -मदर टेरेसा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 47स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR443G00092** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **JOGENDRA SINGH** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O LATE SUNDER SINGH** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **GURMEET SINGH** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O LATE. JOGENDRA SINGH** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक त्याग विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./28827/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2026
रायपुर दिनांक : 20-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28827
वार्ड का नाम- 67-भक्तमाता कर्मा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 67 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR567K00030** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **SANTOSH PASAD KUSHWAHA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LET.SHANKAR MAHTO** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **LAXMI KANT DEWANGAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **HORI LAL DEWANGAN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./28682/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2026
रायपुर दिनांक : 20-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28682
वार्ड का नाम- 67-भक्तमाता कर्मा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 67 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR663FABTG1** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **DISHA NAG** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DEVASHISH NAG** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **KRISHNA SINHA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ALAKH RAM SINHA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./28748/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2026
रायपुर दिनांक : 20-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28748
वार्ड का नाम- 68-डॉ. खुबचंद बघेल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 68 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR567G0822C** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **ANITA SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ROHIT KUMAR SAHU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **BUDHRAM CHANDRAKAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. SAMARU RAM CHANDRAKAR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./28745/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2026
रायपुर दिनांक : 20-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28745
वार्ड का नाम- 68-डॉ. खुबचंद बघेल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 68 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR567G00822** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **ROHIT KUMAR SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **HETRAM SAHU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **BUDHRAM CHANDRAKAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. SAMARU RAM CHANDRAKAR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./28656/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2026
रायपुर दिनांक : 20-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28656
वार्ड का नाम- 66- वामन राव लाखे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 66 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR664H0009G** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **DAN SINGH DEWANGAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAMCHARAN DEWANGAN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **BHAWNA SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. NIRANJAN SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./28684/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2026
रायपुर दिनांक : 20-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28684
वार्ड का नाम- 68- भक्तमाता कर्मा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 68 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR567B00262** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **AJIT KUMAR CHOUBEY , ANIL CHOUBEY , ASHOK CHOUBEY , ASHARANI SHARMA , ANITA SHARMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LT. VIRENDRA KUMAR CHOUBEY** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **ANIL CHOUBEY** पिता/पति, श्री/श्रीमती **VIRENDRA KUMAR CHOUBEY** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /28852/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 20-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28852
वार्ड का नाम- 2 - पं. जवाहर लाल नेहरू वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 2 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR802K00516** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SAIDA BEGAM** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LT. SAIKH UMAR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **VISHWAKARMA SHARMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHRI KASHI SHARMA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र राज. परि., नवा रायपुर
प्रथम एवं पंचम तल व्यवसायिक परिसर (दक्षिण पूर्व कार्नर) सेक्टर-27 नवा रायपुर, अटल नगर
फोन नं.-0771-4059185
E-mail id:- em_zone2@yahoo.com

// आम-सूचना //

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि **छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र राजधानी परियोजना नवा रायपुर अटल नगर, सेक्टर-27 में आबंटित प्रकोष्ठ भवन क्रमांक-एफ2सी-28/104** को **श्री गणेश सहाय वर्मा पिता स्व.श्री शंकर सहाय वर्मा एवं श्रीमती सरला वर्मा पति श्री गणेश सहाय वर्मा पताः- एच.आई.जी.-61, सेक्टर-1, देवेन्द्र नगर, रायपुर (छ.ग.)** के नाम पर स्ववितीय आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा उक्त भवन के मद में पूर्ण राशि भुगतान कर पंजीयन कार्यालय से **दिनांक 16.12.2011** को रजिस्ट्री की कार्यवाही पूर्ण कर लिया गया है तथा इस कार्यालय के **पत्र क्रमांक 15978 दिनाक 30.11. 2013** को आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया गया है। **श्री गणेश सहाय वर्मा** की मृत्यु **दिनांक 29.01.2023** को हो गयी है। **श्रीमती सरला वर्मा ने अपने पति श्री गणेश सहाय वर्मा पिता स्व. श्री शंकर सहाय वर्मा** की मृत्यु होने के उपरांत उक्त भवन को अपने नाम पर यथावत रखने हेतु आवेदन पत्र के साथ, शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है।

उक्त प्रकोष्ठ भवन को श्रीमती सरला वर्मा पति स्व. श्री गणेश सहाय वर्मा के नाम पर यथावत रखने में किसी भी व्यक्ति, शासकीय/अर्धशासकीय संस्था इत्यादि को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र राजधानी परियोजना
नवा रायपुर, अटल नगर

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./28873/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2026
रायपुर, दिनांक 20-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28873
वार्ड का नाम-25 - संतराम दास वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 25 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR819B00232** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SHARDA KULHATKAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **JAYRAM KULHATKAR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **AJAY KUMAR AGRAWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O LATE CHHAGAN LAL AGRAWAL** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./28866/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2026
रायपुर, दिनांक 20-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28866
वार्ड का नाम-23 - शहीद मनमोहन सिंह बख्शी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 23 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR812F00309** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **ANKITA SHARMA, AYUSHI SHARMA, RISHABH SHARMA S/O RAMASHANKAR SHARMA,RAMASHANKAR SHARMA S/O LATE RAJARAM SHARMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती ..... के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **RAMASHANKER NAGPURE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O BHIVRAM NAGPURE** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम रायपुर जोन क्रमांक 05

क्र.2015 जोन क्र .5/न.पा.नि. / 2026

:: निविदा आमंत्रण सूचना :

रायपुर दिनांक 20/02/2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत 'द' से प्रवर श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नांकित कार्यो हेतु सीलबंद निविदायें कार्यालय क्रमांक 5 में आंमत्रित की जाती है। इस हेतु निविदा प्रपत्र प्राप्त करने के लिये **दिनांक 27/02/2026** तक आवेदन के तीन लिफाफा पद्धति में **दिनांक 13/03/2026 तक को 4:00 बजे तक स्पीड पोस्ट** के माध्यम से नगर पालिक निगम जोन साथ निर्धारित निविदा प्रपत्र की राशि जमा करने से पश्चात प्राप्त किये जा सकेंगे। **दिनांक 02/03/2026** तक निविदा प्रपत्र जारी होंगे। प्राप्त **निविदायें दिनांक 13/03/2026** की सांय 4:30 बजे खोली जावेगी।

क्र.	कार्य का नाम	प्राक्कलन राशि (लाख में)	अमानत राशि (रूपये)	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य की अवधि	एस. ओ.आर. नॉन, एस.ओ.आर
1.	ठाकुर प्यारेलाल सिंह वार्ड क्र. 39 अंतर्गत कृष्णा नगर बत्ती में सी.सी. रोड़, नाली एवं पुलिया मरम्मत एवं निर्माण कार्य।	5.90	7500/	750/-	4 माह	PWD SOR Building 01.01.15
2	ठाकुर प्यारेलाल सिंह वार्ड क्र. 39 अंतर्गत शिक्षक नगर कॉलोनी में सी.सी. रोड़, नाली एवं पुलिया मरम्मत एवं निर्माण कार्य।	6,00	7500/-	750/-	04 माह	PWD SOR Building 01.01.15
3	ठाकुर प्यारेलाल सिंह वार्ड क्र. 39 अंतर्गत अलखराम बर्मा लाईन से पाण्डेय डेयरी क्षेत्र तक (गोपी साहू लाईन शांति विहार कॉलोनी) में सी.सी. रोड़, नाली एवं पुलिया मरम्मत एवं निर्माण कार्य।	6.50	7500/-	750/-	04 माह	PWD SOR Building 01.01.15
4	ठाकुर प्यारेलाल सिंह वार्ड क्र. 39 अंतर्गत जंमनिया एवं ईदगाह पानी टंकी में वॉल्व लगाने का कार्य।	7.45	7500/-	750/-	04 माह	PHE SOR 01.06.20
5	ठाकुर प्यारेलाल सिंह वार्ड क्र. 39 अंतर्गत डंगनिया स्कूल से कटारिया बाड़ा तक सी.सी. रोड़, नाली एवं पुलिया मरम्मत एवं निर्माण कार्य।	4.50	6750/	750/-	04 माह	PWD SOR Building 01.01.15
6	ठाकुर प्यारेलाल सिंह वार्ड क्र. 39 अंतर्गत बम्लेश्वरी मंदिर से दुर्गा चौक तक सी.सी. रोड़, नाली एवं पुलिया मरम्मत एवं निर्माण	4.50	6750/	750/-	04 माह	PWD SOR Building 01.01.15
7.	जोन क्र. 05 अंतर्गत वार्ड क्र 40 पं. दीनदयाल उपाध्याय नगर में गोल चौक से लोकमान्य तिलक सोसायटी तक 80 एम.एम. पईप लाईन विस्तार कार्य।	5.74	7500/	750/-	04 माह	PHE SOR 01.06.20
8	जोन क्र. 05 अंतर्गत वार्ड क्र. 40 पं. दीनदयाल उपाध्याय नगर में डी.डी. नगर पानी टंकी में वॉल्व लगाने का कार्य।	5.40	7500/-	7500/-	04 माह	PHE SOR 01.06.20
9	जोन क्र. 05 अंतर्गत वार्ड क्र. 40 के विभिन्न क्षेत्रों में रोड़, नाली, पुलिया एवं सीवर मरम्मत एवं निर्माण कार्य।	9.01	9000/-	750/-	05 माह	PWD SOR Building 01.01.15
10	पंडित सुन्दरलाल शर्मा वार्ड क्र. 41 अंतर्गत संघर्ष नगर के क्षेत्र में सी.सी. रोड, नाली, पुलिया, नाली कवरिंग और जर्जर नाली का मरम्मत एवं निर्माण कार्य।	8.80	8800/	750/-	05 माह	PWD SOR Building 01.01.15
11	पंडित सुन्दरलाल शर्मा वार्ड क्र. 41 अंतर्गत अश्वनी नगर के विभिन्न क्षेत्रों में सी.सी. रोड, नाली, नाली कवरिंग, पुलिया का मरम्मत एवं निर्माण कार्य।	8.30	8300/-	750/-	06 माह	PWD SOR Building 01.01.15
12	पंडित सुन्दरलाल शर्मा वार्ड क्र. 41 अंतर्गत भीम नगर एवं अश्वनी नगर क्षेत्र में सी.सी. रोड, नाली, नाली कवरिंग, पुलिया का मरम्मत एवं निर्माण कार्य।	7.90	7900/	750/-	05 माह	PWD SOR Building 01.01.15
13	पंडित सुन्दरलाल शर्मा वार्ड क्र. 41 अंतर्गत चन्द्रशेखर नगर, अमरपुरी एवं अश्वनी नगर क्षेत्र में सी.सी. रोड, नाली, नाली कवरिंग, पुलिया का मरम्मत एवं निर्माण कार्य।	8.50	8500/-	750/-	05 माह	PWD SOR Building 01.01.15
14	जोन क्र. 05, वार्ड क्र. 42 अंतर्गत ठेठवार पारा यदु गली में सी. सी. रोड़ एवं नाली, रिपेयरिंग / कवरिंग कार्य।	8.06	8000/-	750/-	04 माह	PWD SOR Building 01.01.15
15	वामन राव लाखे वार्ड क्र. 66 अंतर्गत आदर्श नगर, विनोबा भावे नगर, रामायण नगर, सोनकर बाडी, शीतला मंदिर के सामने कर्मचारी कॉलोनी में सड़क एवं नाली निर्माण कार्य।	8.82	8800/-	750/-	05 माह	PWD SOR Building 01.01.15
16	वामन राव लाखे वार्ड क्र. 66 अंतर्गत पीयूष नगर, डबरी पारा एवं रामजानकी भवन के पास पाईप लाईन मरम्मत कार्य।	3.17	4800/-	750/-	03 माह	PHE SOR 01.06.20
17	वामन राव लाखे वार्ड क्र. 66 अंतर्गत संतोषी चौक, आदिवासी कॉलोनी, डबरी पारा, साहू पारा, यादव पारा, तरूण नगर, तुलसी नगर में सड़क एवं नाली निर्माण कार्य।	8.98	9000/-	750/-	04 माह	PWD SOR Building 01.01.15
18	डॉ. खूबचंद बघेल वार्ड क्र. 68 अंतर्गत पुराना चंगोराभाठा में नाली एवं पुलिया निर्माण कार्य।	6.80	7500/-	750/-	04 माह	PWD SOR Building 01.01.15
19	रंगमंच (शेड निर्माण कार्य) आयोध्या नगर, हनुमान मंदिर के पास वार्ड क्र. 68 जोन क्र. 05 कार्य। (विधायक निधि)	2.00	3000/-	300/-	02 माह	PWD SOR Building 01.01.15
20	जोन क्र. 05 पं. दीनदयाल उपाध्याय वार्ड क्र. 40 के विभिन्न स्थानों में पेवर ब्लॉक एवं चबूतरा निर्माण कार्य। (पार्षद निधि)	5.00	7500/-	750/-	03 माह	PWD SOR Building 01.01.15
21	जोन क्र. 05 पं. दीनदयाल उपाध्याय वार्ड क्र. 40 अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर चेयर लगाने का कार्य। (पार्षद निधि)	1.00	3000/-	300/-	01 माह	PWD SOR Building 01.01.15

शर्तें
1 निविदा के दस्तावेज रजिस्टर्ड पोस्ट / स्पीड पोस्ट के माध्यम से प्रस्तुत करना होगा।
2 कार्य से संबंधित अन्य जानकारी एवं शर्ते कार्यालयीन दिवस में नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 5 कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
3 तीन वर्ष के आयकर की बाध्यता नए फर्मों के लिए बाध्यकारी नहीं होगी।

जोन कमिश्नर
जोन क्र. 5
नगर पालिक निगम, रायपुर

राजस्व बढ़ाने की आड़ में बड़ा वार, शहर की पहचान पर मंडराया संकट

शहर की आत्मा घिरी संकट में: गांधी मैदान के सामने बनेंगी 48 दुकानें?

गरियाबंद (विश्व परिवार)। गरियाबंद के दिल में बसे गांधी मैदान पर राजस्व बढ़ाने की आड़ में बड़ा वार होने जा रहा है। मैदान के सामने 48 दुकानों का दो मंजिला व्यवसायिक परिसर बनाने की तैयारी ने शहर में भूचाल ला दिया है। जिसे लोग अपनी पहचान, परंपरा और जनआवाज़ का प्रतीक मानते हैं, वही अब नीलामी और निर्माण की जद में है। सवाल सीधा है। क्या चंद दुकानों के लिए शहर की आत्मा दांव पर लगा दी जाएगी?

ज्ञात हो कि नगर पालिका परिषद द्वारा गौरव पथ मार्ग स्थित गांधी मैदान के सामने डीएमएफ मद से विकसित रोपण एवं सौंदर्याकरण स्थल पर व्यवसायिक परिसर निर्माण के लिए भूमि नीलामी प्रक्रिया शुरू किए जाने की जानकारी सामने आते ही नगर में असंतोष की लहर दौड़ गई है।

शहरवासियों ने एकजुट होकर नगर पालिका अध्यक्ष को ज्ञापन सौंपते हुए निर्माण प्रस्ताव पर तत्काल पुनर्विचार की मांग की। नागरिकों का साफ कहना है कि गांधी मैदान केवल एक खाली जगह नहीं, बल्कि गरियाबंद की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सामाजिक पहचान का प्रतीक है।

गांधी मैदान वर्षभर शहर की धड़कन बना रहता है। यहां दुर्गा पूजा, दशहरा उत्सव, भागवत कथा, राम कथा, खेल प्रतियोगिताएं, जनसभाएं, शैक्षणिक आयोजन और सामाजिक कार्यक्रम होते हैं। बड़ी संख्या में नागरिक गौरव पथ मार्ग से इन आयोजनों को देखते और सुनते हैं। यह मैदान लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति का प्रमुख मंच भी रहा है।चुनावी सभाओं से लेकर सामाजिक आंदोलनों तक, जनभावनाएं यहीं आकार लेती रही हैं।

नागरिकों का कहना है कि यदि मैदान के सामने दो मंजिला व्यवसायिक परिसर खड़ा हो गया तो इसकी सौंदर्यता, खुलापन और ऐतिहासिक गरिमा पर सीधा असर पड़ेगा। आज जो मैदान दूर से दिखता है, कल दुकानों की दीवारों में कैद हो जाएगा, एक नागरिक ने आक्रोश जताते हुए कहा।

प्रस्तावित 48 दुकानों के निर्माण के बाद पार्किंग की समस्या विकराल रूप ले सकती है। आशंका जताई जा रही है कि व्यापारी और ग्राहक वाहन खड़े करने के लिए मैदान का ही उपयोग करेंगे। इससे न केवल यातायात बाधित होगा, बल्कि बड़े आयोजनों के दौरान अव्यवस्था और जाम की स्थिति भी बन सकती है।

स्थानीय लोगों का तर्क है कि शहर पहले से ही सीमित यातायात व्यवस्था से जूझ रहा है। ऐसे में एक बड़े व्यवसायिक परिसर का निर्माण समस्या को कई गुना बढ़ा देगा।

ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि दुकानों के पीछे कचरा फेंकने, गंदगी फैलने और असामाजिक गतिविधियों के बढ़ने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। अन्य स्थानों के उदाहरण देते हुए नागरिकों ने कहा कि सार्वजनिक स्थलों के पास व्यावसायिक निर्माण से अक्सर वातावरण दूषित होता है और सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ती हैं।

नागरिकों ने स्पष्ट किया है कि गांधी मैदान उनके लिए केवल जमीन का टुकड़ा नहीं, बल्कि शहर की आत्मा है। यह आंदोलन की भूमि रही है, जहां से जनआवाज उठी है और लोकतंत्र को मजबूती मिली है। पीढ़ियों की यादें इस मैदान से जुड़ी हैं।

ज्ञापन के माध्यम से नगरवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि गांधी मैदान के संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए और व्यवसायिक परिसर निर्माण के लिए वैकल्पिक स्थान तलाशा जाए। उनका कहना है कि विकल्प मौजूद हैं, जरूरत केवल इच्छाशक्ति और दूरदृष्टि की है।

अब पूरा शहर इस फैसले पर निगाहें टिकाए बैठा है। सवाल यह है कि विकास के नाम पर शहर की पहचान दांव पर लगेगी या जनभावनाओं का सम्मान करते हुए कोई संतुलित समाधान निकाला जाएगा? आने वाले दिनों में प्रशासन का निर्णय गरियाबंद की दिशा और दशा तय करेगा। इस दौरान ज्ञापन सौंपे जाने वालों में प्रमुख रूप से रितिक सिन्हा, बसंत मिश्रा, सन्नी मेमन, अमित मिरी, मुकेश रामटेके, अमित पटेल, प्रदीप कुमार, सूरज नंदी, धारू, महेश राम, भोजराम जैन, कुमार, अनिल सिंह, सतीश देवनारायण एवं महेंद्र सिंह आदि उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री साय और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल की संयुक्त अध्यक्षता में जल संचय-जन भागीदारी 2.0 अभियान के क्रियान्वयन की हुई गहन समीक्षा

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार विश्व परिवार) मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी. आर. पाटि ल की संयुक्त अध्यक्षता में प्रदेश में जल संचय-जन भागीदारी 2.0 अभियान के क्रियान्वयन को लेकर उच्च स्तरीय बैठक रखी गयी थी। केंद्रीय मंत्री श्री पाटिल इस बैठक में वर्चुअली शामिल हुए और बैठक को संबोधित किया। इस वर्चुअल बैठक में बिलासपुर, दुर्ग और सूरजपुर जिले के कलेक्टरों ने अपने-अपने जिलों में अभियान के अंतर्गत संचालित कार्यों और गतिविधियों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की।

बैठक में दिए गए प्रमुख दिशा-निर्देश:- बैठक में जल संचय कार्यों को गति देने के लिए सरकार, समाज और निजी क्षेत्र की त्रिस्तरीय भागीदारी पर विशेष बल दिया गया। इसके लिए 03-ष्ट सूत्र - कोस्ट (लागत साझेदारी), कम्यूनिटी (समुदाय की सहभागिता) एवं सीएसआर (कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व) को प्रभावी रूप से उपयोग में लाने के निर्देश दिए गए।

बैठक में 31 मई 2026 तक समूचे छत्तीसगढ़ में 10 लाख जल संरचनाओं के निर्माण एवं उनकी जियोटैगिंग पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। यह कार्य जन भागीदारी के माध्यम से संपन्न किया जायेगा, ताकि समाज के प्रत्येक वर्ग की इसमें सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित हो सके।

सूरजपुर जिले के लिए विशेष निर्देश:- सूरजपुर जिले के संदर्भ में विशेष रूप से निर्देश दिए गए कि जिले में निर्धारित लक्ष्य को बढ़ाया जाये तथा अधिक से अधिक संरचनाओं की जियोटैगिंग शीघ्र पूर्ण की जाये।

उल्लेखनीय है कि जल संचय जन भागीदारी अभियान का उद्देश्य भूजल स्तर को बनाए रखना, वर्षा जल के संरक्षण को बढ़ावा देना और आने वाली पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित करना है। जिला प्रशासन इस अभियान को सफल बनाने के लिए पूरी तत्परता के साथ कार्य कर रहा है। एनआईसी कक्ष में कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन, जिला पंचायत सीईओ श्री विजेन्द्र पाटले, श्री अरुण कुमार मिश्रा व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

मोहरा ऐनीकट दुर्घटना संभावित क्षेत्र घोषित, सेल्फी व स्नान पर पूर्ण प्रतिबंध

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार) जिले के रामनगर एवं नयनपुर के पास रिहन्द नदी पर निर्मित मोहरा ऐनीकट को दुर्घटना संभावित क्षेत्र घोषित करते हुए जल संसाधन विभाग ने वहां चेतावनी सूचना बोर्ड स्थापित कर दिए हैं। विभाग ने ऐनीकट के ऊपर सेल्फी लेने तथा पानी में स्नान करने पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है।

विभागीय जानकारी के अनुसार ऐनीकट के दोनों किनारों - एक ग्राम रामनगर तथा दूसरा ग्राम नयनपुर - में स्पष्ट चेतावनी बोर्ड लगाए गए हैं, ताकि आने वाले नागरिक व पर्यटक समय रहते सतर्क रह सकें।

अधिकारियों ने बताया कि ऐनीकट क्षेत्र में अचानक जलस्तर बढ़ने और तेज बहाव की संभावना बनी रहती है, जो जानलेवा साबित हो सकती है। विशेष रूप से बच्चों और युवाओं को ऐसे स्थानों पर लापरवाही न बरतने की सलाह दी गई है।

जल संसाधन विभाग ने कहा कि रोमांच या फोटोग्राफी के उद्देश्य से ऐनीकट पर जाना गंभीर खतरा पैदा कर सकता है। विभाग ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे स्वयं सावधानी बरतें और अपने परिजनों व परिचितों को भी जागरूक करें, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

जिला जेल सूरजपुर में आयोजित हुई युवा बंदियों के पुनर्वास के लिए निश्चय कार्यक्रम

जेल की चारदीवारी को सजा का स्थान न मानकर, उसे सुधार गृह के रूप में करें विकसित- कलेक्टर

जेल से निकलने पर एक नई जीवन की शुरूवात करें-एसएसपी सूरजपुर

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)जेल एवं सुधारात्मक सेवाएं छत्तीसगढ़ द्वारा निश्चय कार्यक्रम की शुरूवात की गई है जिसमें युवा बंदियों के पुनर्वास की पहल करना है। इसमें मुख्य रूप से 18 से 30 वर्ष की आयु वर्ग के अपराधियों को पुन: अपराध में नहीं लौटने के लिए प्रेरित करना तथा पुनर्वास के लिए कौशल विकास हेतु प्रोत्साहित करना है।

गुरूवार, 19 फरवरी 2026 को कलेक्टर सूरजपुर श्री एस. जयवर्धन एवं डीआईजी/एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने जिला जेल सूरजपुर में निश्चय कार्यक्रम में विचाराधीन बंदियों के पुनर्वास, उनकी सोच में सकारात्मक बदलाव और उन्हें मुख्यधारा में वापस लौटने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर कलेक्टर सूरजपुर ने कहा कि जेल की चारदीवारी को केवल सजा का स्थान न मानकर, उसे सुधार गृह के रूप में विकसित करें, अच्छे कार्यो को सीखे, गलत कार्यो से दूर रहे, अपने कार्य व्यवहार में सुधार लाए और यहां से बाहर निकलने पर एक नई शुरूवात करें। सकारात्मक बदलाव के लिए योग, ध्यान और काउंसलिंग सत्र का भरपूर उपयोग करने हेतु प्रोत्साहित किया।

डीआईजी व एसएसपी श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्धेश्य युवा बंदियों के पुनर्वास, उनकी सोच में सकारात्मक बदलाव और उन्हें मुख्य धारा में वापस लाने के लिए एक सुधारात्मक पहल है जिसमें शिक्षा, कौशल विकास, संस्कार और स्वास्थ्य पर केंद्रित है। डीआईजी/एसएसपी ने विचाराधीन बंदियों से कहा कि आपने जो किया उसे यहां भुले और बाहर निकलने पर नए सकारात्मक विचार के साथ आगे बढ़े, गलत कार्यो से दूरी बनाते हुए समाज में लोगों, युवा पीढ़ी को गलत कार्यो व अपराध से दूरी बनाने के लिए प्रोत्साहित करें ताकि युवा पीढ़ी गलत कार्यो में न फंसे। निराशा को दूर कर एक नई शुरूवात को अवसर देने यह एक व्यापक सुधारात्मक प्रयास है जिसका लाभ उठाने हेतु सभी को प्रेरित किया। जिला जेल अधीक्षक अक्षय तिवारी ने बंदियों को बताया कि पुलिस महानिदेशक जेल छत्तीसगढ़ श्री हिमांशु गुप्ता के मार्गदर्शन में निश्चय कार्यक्रम चलाया जा रहा है जिसके तहत बंदियों को अपराध से दूर रहने, कानून का पालन करने और बाहर जाकर समाज के उपयोगी नागरिक बनाने के लिए प्रेरित करना है, इसके लिए योग, आर्ट ऑफ लिविंग व कानूनी जागरूकता के आयोजन नियमित की जा रही है। आगामी दिनों में कौशल विकास के तहत विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण भी दिए जायेंगे ताकि रिहाई के बाद बंदी आत्मनिर्भर बन सके। इस अवसर पर विचारधीन बंदी व जेल स्टाफ मौजूद रहे।

मनरेगा पर गरियाबंद में कांग्रेस का बिगुल

कलेक्ट्रेट घेराव से गूंजा परिसर, केंद्र सरकार के खिलाफजोरदार हुंकार

गरियाबंद (विश्व परिवार)। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने मनरेगा में संभावित बदलावों की सुगबुगाहट के बीच गरियाबंद में शक्ति प्रदर्शन कर सियासी माहौल गरमा दिया। सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट का घेराव कर केंद्र सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। पूरा परिसर गूंज उठा और भारी पुलिस बंदोबस्त के बीच प्रदर्शन ने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी।

प्रदर्शन के बाद राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपते हुए कांग्रेस नेताओं ने स्पष्ट किया कि मनरेगा से किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पार्टी ने चेतावनी दी कि यदि योजना में जनविरोधी संशोधन किए गए तो आंदोलन सड़क से सदन तक तेज किया जाएगा। ज्ञापन में कहा गया कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम देश की सबसे महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजनाओं में से एक है, जिसने ग्रामीण भारत में रोजगार सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता और सामाजिक न्याय को मजबूत किया है। कांग्रेस ने आशंका जताई कि प्रस्तावित संशोधन और वित्तीय हिस्सेदारी में बदलाव से योजना की मूल भावना प्रभावित हो सकती है। पार्टी का आरोप है कि अब तक केंद्र सरकार की 90 प्रतिशत तक की वित्तीय भागीदारी को 60:40 या अन्य अनुपात में बदलने का प्रयास राज्यों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाल सकता है। ज्ञापन में मांग की गई कि कानून को यथावत रखा जाए तथा समयबद्ध मजदूरी भुगतान, पारदर्शिता और सामाजिक अंकेक्षण जैसी व्यवस्थाएं पूर्ववत लागू रहें।

क्षेत्रीय विधायक जनक धुर्व ने कहा कि मनरेगा गरीबों और ग्रामीण मजदूरों के जीवनयापन का प्रमुख आधार है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की नीतियों से मजदूर वर्ग का भविष्य संकट में पड़ सकता है। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सुखचंद बेसरा ने कहा कि योजना का नाम और स्वरूप बदलना जनभावनाओं के विपरीत है। उन्होंने राष्ट्रपति से राष्ट्रहित और जनहित को ध्यान में रखते हुए किसी भी प्रकार के संशोधन पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया।

मनरेगा केवल एक योजना नहीं, यह श्रमिक के हाथों की आशा है, गांवों की धड़कन है और आत्मनिर्भर भारत का आधार है, वक्ताओं ने एक स्वर में कहा। गरियाबंद में आयोजित मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत हुए कलेक्ट्रेट घेराव एवं एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन में जिला और शहर कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। पूरा प्रदर्शन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ, लेकिन राजनीतिक संदेश साफ था—मनरेगा पर किसी भी बदलाव के खिलाफ संघर्ष जारी रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा में भूगोल एवं भौतिक शास्त्र की परीक्षा शांतिपूर्ण हुई संपन्न, नकल का एक भी प्रकरण नहीं

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार) छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल रायपुर द्वारा आयोजित हायर सेकण्डरी स्कूल सर्टिफिकेट मुख्य परीक्षा वर्ष-2026 का हुआ शुभारंभ आज 20 फरवरी 2026 से हो गया। परीक्षा के पहले दिन सूरजपुर जिले के निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर कक्षा 12वीं की भूगोल एवं भौतिक शास्त्र विषय की परीक्षाएँ पूर्णत: शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। जानकारी के अनुसार सूरजपुर जिले में परीक्षा संचालन के लिए कुल 72 परीक्षा केन्द्र निर्धारित किए गए हैं, जिनमें से 70 केन्द्रों पर आज परीक्षा आयोजित की गई। कुल 5191 पंजीकृत परीक्षार्थियों में से 5115 विद्यार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए, जबकि 76 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इस प्रकार जिले में उपस्थिति का प्रतिशत लगभग 98.5: रहा, जो परीक्षार्थियों की गंभीरता और तैयारी का परिचायक है। परीक्षा की पारदर्शिता एवं निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए जिला एवं विकासखण्ड स्तर पर गठित उड़नदस्ता दलों ने विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का अचानक (औचक) निरीक्षण किया। इस दौरान किसी भी परीक्षा केन्द्र में नकल का एक भी प्रकरण सामने नहीं आया।

शासकीय कार्य में व्यवधान एवं शासकीय सम्पत्ति के नुकसान मामले में 18 लोगों के विरूद्ध मामला पंजीबद्ध

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार) बीते गुरुवार 18 फरवरी को लटोरी तहसील अन्तर्गत ग्राम सुंदरगंज में स्थित शासकीय भूमि खसरा नंबर 35, 255, 552 पर स्थानीय लोगों के द्वारा किए गए अवैध अतिक्रमण को ग्राम पंचायत सुंदरगंज के सरपंच व ग्राम समिति के द्वारा हटाये जाने की कार्यवाही एसडीएम सूरजपुर सहित अन्य राजस्व व पुलिस अधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ की गई थी। अतिक्रमण हटाये जाने की कार्यवाही के दौरान कई अतिक्रमणकारी ग्रामीणों के द्वारा वहां ग्राम सरपंच व ग्राम समिति के सदस्यों को देख उनके साथ झूमा-झटकी करते हुए जेसीबी मशीन में पथराव प्रारंभ कर दिये जिस पर जेसीबी मशीन वहां से हटने लगा इसी दौरान जेसीबी पर पथराव के दौरान रास्ते में खड़ी पुलिस की वाहन पर भी पत्थर पड़े जिससे पुलिस की गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई। ग्रामीणों व अतिक्रमणकारियों के बीच विवाद, झूमा-झटकी में 4 लोगों को चोट आई है। शासकीय कार्य में व्यवधान एवं शासकीय सम्पत्ति के नुकसान मामले में लटोरी तहसीलदार सुरेन्द्र कुमार पैंकरा की रिपोर्ट पर चौकी लटोरी थाना जयनगर में अपराध क्रमांक 50/26 धारा 191(2), 191(3), 190, 324(3), 221 बीएनएस एवं लोक सम्पत्ति नुकसानी निवारण अधिनियम 1984 की धारा 3 के तहत 18 लोगों के विरूद्ध मामला पंजीबद्ध कर आगे की कार्यवाही जारी है।

टेक सॉल्यूशंस एक स्केलेबल यूनिफाइड एआई प्लेटफॉर्म विकसित करेगा, जो 370 बिलियन डॉलर के राष्ट्रीय हेल्थकेयर इकोसिस्टम में परिवर्तन लाने के इंडियाएआई मिशन के अनुरूप होगा

चेन्नई : नई दिल्ली में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के अवसर पर, टेक सॉल्यूशंस लिमिटेड ने आज एक व्यापक यूनिफाइड एआई प्लेटफॉर्म विकसित करने की अपनी स्ट्रेटेजिक प्लान की घोषणा की। हेल्थकेयर इकोसिस्टम में परिवर्तन लाने के उद्देश्य से तैयार किया गया यह प्लेटफॉर्म एक वन-स्टॉप डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर लेयर के रूप में कार्य करेगा, जो अस्पतालों, डायग्नोस्टिक लैबोरेटरीज़, क्लिनिकल ट्रायल संगठनों और क्लिनिक्स को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस समाधानों को सहज रूप से अपनाने और उपयोग करने में सक्षम बनाएगा। यह पहल टेक सॉल्यूशंस के विकास में एक परिवर्तनकारी कदम है, जो देश के विकास के लिए एआई को एक महत्वपूर्ण विकास उपकरण के रूप में अपनाने के भारत सरकार के प्रयासों के अनुरूप है। भारत 370 बिलियन अमेरिकी डॉलर के हेल्थकेयर सेक्टर और 197 बिलियन अमेरिकी डॉलर के प्रिवेंटिव हेल्थकेयर अवसर को अनलॉक करने पर केंद्रित है। यह प्लेटफॉर्म अपनी आधुनिक टेक्नोलोजी को प्रत्येक नागरिक तक पहुंचाकर समिट की मुख्य थीम सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय (सभी का कल्याण और सभी की खुशी) को प्रतिबिंबित करता है।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर, शनिवार 21 फरवरी 2026

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

भारत का स्कोर मध्यम स्तर पर..

भारत की ताकत फार्मास्यूटिकल्स, रसायन और आईटी सेवाओं में है, जो उच्च जटिलता वाले क्षेत्रों में आते हैं। लेकिन कृषि और प्राथमिक वस्तुओं की बड़ी हिस्सेदारी आर्थिक जटिलता सूचकांक पर भारत के ऊपर जाने में रुकावट है। जो देश मैनुफैक्चरिंग की विविधापूर्ण एवं बारीक क्षमताएं विकसित करते हैं, उनका तेजी से विकास होता है। ये निष्कर्ष हार्वर्ड ग्रोथ लैब का है। अमेरिका के मशहूर हार्वर्ड केनेडी स्कूल से संबंधित ये अध्ययन केंद्र ने विभिन्न देशों की उत्पादक क्षमता को मापते हुए आर्थिक जटिलता सूचकांक (ईसीआई) तैयार करता है। उसका दावा है कि इस पैमाने से विकास की रफ्तार का किसी अन्य पैमाने की तुलना में अधिक सटीक अनुमान लगाया जा सकता है। लैब अपने सूचकांक के आधार पर इस नतीजे पर है कि अगले दशक में प्रति व्यक्ति आर्थिक वृद्धि का अग्रणी देश वियतनाम होगा। यानी दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका चीन इस मामले में वियतनाम से पीछे रहेगा। संस्था का निष्कर्ष है कि अगले दस साल तक वैश्विक ग्रोथ का नेतृत्व पूर्वी एशिया के हाथ में बना रहेगा। ईसीआई पर जापान पहले, ताइवान दूसरे, दक्षिण कोरिया चौथे और सिंगापुर पांचवें नंबर पर आया है। गुजरे पांच साल में तीन अंकों की उछाल हासिल करते हुए चीन अब टॉप 10 में पहुंच गया है, जबकि अमेरिका गिर कर 20वें स्थान पर चला गया है। 145 देशों की इस सूची में भारत को 41वें स्थान पर रखा गया है। विश्लेषकों के मुताबिक भारत का स्कोर मध्यम स्तर पर है, जो यह दिखाता है कि भारत की उत्पादन संरचना विविध तो है, लेकिन उच्च-तकनीक और जटिल उत्पादों में पर्याप्त विस्तार का अभाव है। इस सूचकांक में भारत को ऊपर चढ़ना है, तो उसे उच्च मूल्य वाले और तकनीकी रूप से परिष्कृत वस्तुओं के उत्पादन की क्षमता विकसित करनी होगी। भारत की ताकत फार्मास्यूटिकल्स, रसायन और आईटी सेवाओं में है, जो उच्च जटिलता वाले क्षेत्रों में आते हैं। लेकिन कृषि और प्राथमिक वस्तुओं की बड़ी हिस्सेदारी ईसीआई पर भारत के ऊपर जाने में रुकावट है। ईसीआई में मुख्य ध्यान ज्ञान एवं उच्च उत्पादन क्षमताओं पर केंद्रित है। इन्हें किसी देश में उत्पादक ढांचे के विकास का सबसे अहम हिस्सा माना गया है।

शिव, काम और रति: जीवन-संतुलन का त्रिकोण

डॉ. कृष्णगोपाल मिश्र

'शिव' महादेव हैं और काम रूप-सौन्दर्य का देवता । दोनों एक ही कुल अर्थात देव-समूह के हैं किन्तु लोकजीवन में दोनों के प्रतीकार्थ भिन्न हैं। शिव कल्याण के प्रतीक हैं और कामदेव कामनाओं के, मनुष्य की विविध प्रकार की अभिलाषाओं के प्रतीक हैं । शिव अर्थात कल्याण का स्वरूप स्थिर है। वह परिवर्तित नहीं होता। पौराणिक आख्यानों के अनुसार सौन्दर्य के देवता कामदेव ने भगवान शिव की तपस्या में विघ्न उत्पन्न किया और भगवान शिव ने उसे अपने तृतीय नेत्र की क्रोधाग्नि से भस्म कर दिया किन्तु जब काम की पत्नी रति ने शिव से प्रार्थना की और अपने पति को पुन: जीवित करने का वरदान माँगा तब शिव ने काम को देह रहित रूप में संसार को प्रभावित करने की शक्ति देकर उसे पुनर्जीवित कर दिया तथा वह मानसिक स्तर पर सक्रिय होकर संसार को संचालित करने लगा। उसके नए नाम मनसिज, मनोज, अनंग आदि प्रचलित हो गए। 'शिव' महादेव हैं और काम रूप-सौन्दर्य का देवता । दोनों एक ही कुल अर्थात देव-समूह के हैं किन्तु लोकजीवन में दोनों के प्रतीकार्थ भिन्न हैं। शिव कल्याण के प्रतीक हैं और कामदेव कामनाओं के, मनुष्य की विविध प्रकार की अभिलाषाओं के प्रतीक हैं । शिव अर्थात कल्याण का स्वरूप स्थिर है। वह परिवर्तित नहीं होता। वह शाश्वत है, सनातन है। इसीलिए शिव उच्च स्तर पर प्रतिष्ठित महादेव हैं और अधिक शक्ति सम्मान्न है। कामदेव का स्वरूप वैविध्यपूर्ण है। वे अपनी सकारात्मकता में रचनात्मक हैं किन्तु नकारात्मकता में भयंकर विध्वंसात्मक भी हैं। अत: वह देवता होकर भी महादेव के समकक्ष नहीं हैं । शिव द्वारा काम-दहन की कथा कल्याण के पथ पर कामनाओं के नियंत्रण का संदेश है। अच्छी-बुरी अनंत कामनाओं को साथ लेकर मनुष्य अपना कल्याण नहीं कर सकता, साथ ही वह समस्त कामनाओं को त्यागकर भी जीवित नहीं रह सकता। जीवन मैं सुख शांति और आनंद की प्राप्ति के लिए अच्छी कामनाओं का होना भी आवश्यक है। कामनाएं ही मनुष्य को कर्मपथ पर प्रेरित करती हैं। इसीलिए शिव एक बार काम को पूर्णतया समाप्त करके उसे पुन: जीवन देते हैं। अभिप्राय यह कि मानव-मन में निहित समस्त दुरभिलाषाओं को समाप्त कर संसार के कल्याण के लिए आवश्यक अभिलाषाओं को पुन: प्रोत्साहित करना मानव जीवन की महत्त्वपूर्ण आवश्यकता है। कामदेव सौन्दर्य के देवता हैं। सौन्दर्य सदा आकर्षित करता है तथा मन में इच्छाओं को जन्म देता है। वे इच्छाएँ जब मानवीय गरिमा, सामाजिक मर्यादा और न्यायसंगत होती हैं तब शिव की कल्याणरुपिणी शक्ति बनती हैं किन्तु जब मानव मूल्यों के विरुद्ध निजी दुरभिलाषाओं और स्वार्थों के लिए सक्रिय होती हैं तब उनका नाश करना अथवा संयम के बल पर उन्हें नियन्त्रित करना अत्यंत आवश्यक हो जाता है। काम के इस अशिव रूप का नाश किए बिना शिव अर्थात कल्याण प्राप्ति की साधना पूर्ण नहीं हो सकती। कामदेव को भस्म करने वाला शिव का तृतीय नेत्र ज्ञान और वैराग्य का प्रतीक है। जब तक तीसरा नेत्र नहीं खुलता तब तक कामनाएँ भस्म नहीं होतीं। ज्ञान और वैराग्य का तीसरा नेत्र जब खुलता है तब मनुष्य के मन में संयम, संतोष, त्याग, परोपकार, अपरिग्रह जैसे मूल्य पुष्ट होते हैं और लोभ, मोह, अभिमान, स्वार्थपरता, हिंसा, व्यभिचार जैसी दुर्वृत्तियां समाप्त हो जाती हैं और कल्याण की प्राप्ति होती है। भगवान शिव की रोषानल काम की देह को भस्म करती है। देह भौतिकता की प्रतीक है और सांसारिक प्रलोभनों की ओर संकेत करती है। कल्याण का विचार वही क्रियान्वित कर सकता है जो भौतिक सुख-सुविधाओं और लौकिक आकर्षणों से परे है। कामदेव का देहनाश 'जर-जोरू और जमीन' के लिए होने वाले संघर्ष को विराम देने का अर्थ व्यक्त करता है क्योंकि काम के इस भौतिक स्वरूप का नाश हुए बिना शिव की तपस्या अर्थात कल्याण की प्राप्ति असंभव है । काम के अनेक अर्थ हैं। काम को स्त्री-पुरुष के शारीरिक संबंध के अतिरिक्त धन, पद, यश, सम्मान आदि कामनाओं के अर्थ में भी ग्रहण किया जाता है। काम का स्वरूप अत्यंत सुन्दर है अर्थात इन समस्त कामनाओं की पूर्ति के लिए मनुष्य यदि दूसरों के अधिकारों का अपहरण, शोषण-उत्पीड़न न करे, माननीय गरिमा और सामाजिक मर्यादाओं के अनुरुप कार्य करे तो इनकी सकारात्मक सक्रियता जीवन में सौदर्य का विधान रचती है । अत: श्रेष्ठ इच्छाओं का मन में जीवित रहना जीवन के लिए आवश्यक है। इसीलिए ज्ञान के आवेश में शिव अपने तृतीय नेत्र से पहले तो कामदेव को भस्म कर देते हैं - अर्थात मन में पल रही अच्छी-बुरी समस्त इच्छाओं को पूर्ण रूप से समाप्त कर देते हैं किन्तु बाद में सांसारिक सुन्दरता की प्रतीक रति के विलाप को सुनकर लौकिक जीवन के सुख विधान के लिए सद अभिलाषाओं के रुप में कामदेव को पुन: नवजीवन दे देते हैं। कामदेव की पत्नी रति सृष्टि की सुन्दरता की प्रतीक है। सुन्दरता की सार्थकता उसके विवेक सम्मत उपयोग में है, उपयोग की कामना में है। इसलिए काम का पुनर्जीवन आवश्यक है। रति और कामदेव- सुन्दरता और सुन्दरता के प्रति आकर्षण से उत्पन्न कामना-- दोनों सांसारिक जीवन रथ के दो चक्र हैं। उनके अभाव में जीवन असंभव है और जीवन के अभाव में कल्याण अर्थात शिव का भी कोई अर्थ नहीं रह जाता। मनुष्य रहित सृष्टि का सौन्दर्य किस काम का ? मनुष्य के अस्तित्व में ही रति-कामदेव और शिव--तीनों की सार्थकता है। तीनों की व्याप्ति से ही जीवन है, समाज है। आज के समय में रति, काम और शिव के अर्थ बदल गए हैं। मनुष्य ने सहज प्राकृतिक जीवन, जीवन-मूल्यों और न्यूनतम आवश्यकताओं से मुख मोडकर कृत्रिम उपकरणों के अधिकतम उपयोग से जीवन की सुन्दरता 'रति' को क्षतिग्रस्त किया है। जीवन-मूल्यों की उपेक्षा करके 'कामदेव' का रूप विकृत कर दिया है और शिव की कल्पना अधिकतम भौतिक सुविधाओं में करके जीवन को संकटापन्न बनाया है। शिव का तृतीय नेत्र मोतियाविंद से ग्रस्त है। ज्ञान के आवरण के अज्ञान का पोषण होने से काम-दहन की क्रिया सम्पन्न नहीं हो पा रही है और वैश्विक स्तर पर काम का आवेग शिव की कल्याण-साधना में बाधक बना हुआ है। भगवान शिव के तृतीय नेत्र ज्ञान के वास्तविक स्वरूप को समझे बिना दुरभिलाषाओं का काम दहन नहीं हो सकता और सद्भिलाषाओं के अनंग को पुनर्जीवन मिले बिना विधवा रति का निरर्थक सौन्दर्य जीवन में आकर्षण उत्पन्न नहीं कर सकता। व्यक्ति के मन में शान्ति और सामाजिक जीवन को अपराध मुक्त करने के लिए ज्ञान और वैराग्य के तृतीय नेत्र का खुलना आवश्यक है। शिव, कामदेव और रति के इस निहितार्थ पर विचार करके ही आधुनिक जीवन को सुख-समृद्धि के पथ पर अग्रसर किया जा सकता है।

आलेख

एक सौ करोड़ हिंदुओं का रक्षक डरा हुआ!

हरिशंकर व्यास

कितनी गजब बात है। क्या दुनिया के किसी देश, किसी संसद में ऐसा हुआ जो पहली बात सदन के नेता को स्पीकर बोले कि आपको भाषण नहीं देना है। और प्रधानमंत्री डर कर राष्ट्रपति अभिभाषण का भी धन्यवाद न करे! इससे भी बड़ा वैश्विक रिकॉर्ड तो देश का प्रधानमंत्री चंद महिला सांसदों के शोर, उनके घेरने को अपने जीवन पर खतरा माने? राहुल गांधी से आंखे मिलाकर अपने समय के ही सेनापति की पुस्तक को लेने से घबराए! और इससे भी अधिक शर्मनाक की राज्यसभा में विपक्ष की खाली बेंचों के आगे प्रधानमंत्री दहाड़े। राहुल गांधी के खानदान के कोसे, उन्हें गांधी के नाम का चोर बताए। अपने समर्थकों की गली में दहाड़ना और विपक्ष से भरी गली से दुबकना, भागना तो वैश्विक ताकत याकि चीन के शी जिनपिंग और अमेरिका के ट्रंप के आगे या तो घिग्घी बंधना, जबरदस्ती गले लगना या मौन रहना, अपमान सहना! ओह! हिंदू राष्ट्र। भला क्यों 140 करोड़ लोगों का प्रधानमंत्री और एक सौ करोड़ हिंदुओं का रक्षक इतना डरा हुआ! फिर भी नगाड़ा मैं देश और हिंदुओं का रक्षक। मुझे ही विश्वास नही हुआ कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चार फरवरी को लोकसभा में इसलिए भाषण नहीं दिया क्योंकि उनको लग रहा था कि कुछ अप्रत्याशित घटित हो सकता है। और अपने मुंह से सीधा नहीं बोला। स्पीकर ने बोला कि उन्हें जो जानकारी मिली थी उस आधार पर उन्होंने प्रधानमंत्री से अनुरोध किया कि वे चार फरवरी को शाम पांच बजे लोकसभा में भाषण देने नहीं आएं। सो, प्रधानमंत्री ने जवाब नहीं दिया और उनके भाषण के बगैर, उनकी गैरहाजिरी में लोकसभा में राष्ट्रपति अभिभाषण का धन्यवाद प्रस्ताव पास हुआ। भारत का नया रिकॉर्ड बना। सवाल है क्या स्पीकर को ऐसी सूचना मिली कि महिला सांसद या विपक्ष के दूसरे सांसद प्रधानमंत्री पर हमला कर सकते हैं? आखिर क्या अप्रत्याशित घट सकता था? इसकी निश्चित रूप से जांच होनी चाहिए। आखिर विपक्ष के चुने गए सांसदों पर बहुत गंभीर आरोप लगाए जा रहे हैं। अगर इसमें सचाई है तो जांच करके कार्रवाई करनी चाहिए नहीं तो यह माना जाएगा कि सरकार विपक्ष के सांसदों की साख खराब करने की कोशिश कर रही है। सोचें, अगर प्रधानमंत्री भाषण देने आ जाते और उनको भाषण देने से रोक दिया जाता तो क्या हो जाता? जैसे राहुल गांधी 46 मिनट तक बोलने की कोशिश करते रहे और नहीं बोल पाए वैसे प्रधानमंत्री भी नहीं बोल पाते। लेकिन वे लोकसभा में जाकर सदन का सामना करते तो उनकी 56 इंच की छाती प्रमाणित होती। वे तो इसकी बजाय लोकसभा छोड़ कर राज्यसभा में चले गए। वहां उन्होंने विपक्षी के वाकआउट के बीच डेढ़ घंटे तक भाषण दिया। सोचें, प्रधानमंत्री की सुरक्षा पर देश पांच सौ करोड़ रुपए से ज्यादा हर साल खर्च करता हैं। मतलब हर महीने 40 करोड़ रुपए से ज्यादा। यह स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप यानी एसपीजी का बजट है। पहले एसपीजी पूर्व प्रधानमंत्रियों के परिवार की सुरक्षा भी करती थी। लेकिन अब पूर्व प्रधानमंत्रियों के परिवार की एसपीजी सुरक्षा हटा दी गई है। एसपीजी अब सिर्फ प्रधानमंत्री की सुरक्षा करती है। एक व्यक्ति की सुरक्षा पर इतना रुपया खर्च होता है। फिर भी वह व्यक्ति अपने ही देश में, अपनी ही संसद में असुरक्षित महसूस करता है या खतरे से घबरा कर मैदान छोड़ देता है तो इसे क्या कहा जाएगा? क्या संसद में प्रधानमंत्री को सुरक्षित महसूस कराने के लिए वहां भी एसपीजी की तैनाती कराई जाए? क्या स्पीकर सदन के अंदर एसपीजी तैनात करें, प्रधानमंत्री की कुर्सी के पास बुलेटप्रूफ केबिन बनवाएं या विपक्ष के सांसदों को बाहर निकाल कर हर बार प्रधानमंत्री का भाषण कराया जाए? याद करें कैसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पांच जनवरी 2022 को पंजाब के दौरे पर थे और फिरोजपुर के कार्यक्रम में शामिल हुए बैगर वे वापिस लौटे थे। प्रधानमंत्री हुसैनीवाला शहीद स्मारक पर जाने के लिए निकले थे। मौसम खराब होने की वजह से वे सड़क के रास्ते जा रहे थे। एक फ्लाईओवर पर लोगों की भीड़ ने जाम लगा रखा था। वहां थोड़ी देर रूकने के बाद प्रधानमंत्री मोदी वापस लौट आए थे और बठिंडा हवाईअड्डे पर उन्होंने पंजाब के अधिकारियों से कहा था, अपने 'सीएम को थैंक्स कहना कि मैं बठिंडा एयरपोर्ट तक जिंदा लौट पाया'। सोचें, पंजाब के किसानों की नाराजगी थी और वे प्रदर्शन कर रहे थे।

शंकराचार्य के साथ ऐसा बरताव

अजीत द्विवेदी

यह संयोग नहीं है कि करीब तीन साल तक आधा दर्जन से ज्यादा पिछड़ी जाति के नेताओं को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने की चर्चा करने के बाद भाजपा ने अगड़ी जाति के नितिन नबीन को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया और उसके बाद यूजीसी ने उच्च शिक्षण संस्थानों में भेदभाव खत्म करने के नाम पर ऐसा नियम पेश किया, जिसके खिलाफ पूरा सवर्ण समाज आंदोलित हुआ। यह भी संयोग नहीं है कि एक शंकराचार्य को माघ मेले में मौनी अमावस्या के दिन स्नान से रोका गया और 11 दिन के अनशन के बाद भी किसी ने अनशन समाप्त कराने का प्रयास नहीं किया। उलटे शंकराचार्य की साख बिगाड़ने और उनके पट्टाभिषेक को विवादित साबित करने वाले काम हुए। शंकराचार्य को मेला प्रशासन ने नोटिस देकर उनकी पदवी के बारे में सफाई मांगी और दूसरी नोटिस में उनको धमकाया कि जमीनें ले ली जाएंगी और सुविधाएं छीन ली जाएंगी। हिंदुत्व की राजनीति करने वाली पार्टी अगर हिंदू धर्म की धार्मिक व आध्यात्मिक परंपरा के शिखर पर बैठे चार में से एक शंकराचार्य को धमकी दे रही है तो वह अनायास नहीं हो सकता है। संभव है कि ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के साथ रविवार, 18 जनवरी को जो घटना हुई वह अचानक हो गई हो। वे पालकी से स्नान के लिए जा रहे थे और भीड़ बहुत होने की वजह से उनको रोका गया हो। लेकिन उसके बाद जो कुछ भी हो रहा है वह एक राजनीतिक योजना का हिस्सा प्रतीत होता है। ऐसा लग रहा है कि शंकराचार्य से पुरानी बातों और उनके बयानों का बदला लिया जा रहा है और उस पद के महत्व को हमेशा के लिए समाप्त किया जा रहा है। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद अक्सर विवादित बयान देते रहते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी उनके विवादित बयानों से अछूते नहीं रहे हैं। उन्होंने पिछले साल प्रयागराज के महाकुंभ में हुई भगदड़ और लोगों की मौत को लेकर राज्य की योगी आदित्यनाथ की सरकार को भी कठघरे में खड़ा किया था। ध्यान रहे भारत में शंकराचार्य का पद कभी भी ईसाई धर्म के वेटिकन के पोप की तरह या इस्लाम धर्म के मौलानाओं, शाही इमामों या खलिफाओं की तरह नहीं रहा है। वे हिंदू धर्म के लिए कोई दिशा निर्देश नहीं जारी करते हैं और उनके प्रति सम्मान का भाव रखने वाला हिंदू समाज भी उनके हिसाब से अपना जीवन चलाने के लिए बाध्य नहीं होता है। वे सनातन की आध्यत्मिक परंपरा के सर्वोच्च प्रतिनिधि होते हैं। आदि शंकराचार्य ने अद्वैत वेदांत का जो सिद्धांत दिया वे उसका प्रतिनिधित्व करते हैं और भारत के एक राष्ट्र राज्य के तौर पर उभरने से पहले शंकराचार्य द्वारा निर्धारित की गई भौगोलिक सीमा के चारों कोनों का प्रतिनिधित्व करते हैं। इस लिहाज से उनका अपना महत्व है। शंकराचार्यों की बातों को हिंदू जीवन पद्धति में हस्तक्षेप के तौर पर कभी नहीं देखा गया लेकिन पिछले कुछ समय से कुछ शंकराचार्यों और अन्य धर्मगुरुओं या कथावाचकों का राजनीति में हस्तक्षेप बढ़ा है। अपने समर्थकों या प्रशंसकों की संख्या बढ़ाने के लिए वे लोकप्रिय भावना के अनुरूप बयानबाजी करने लगे। इसमें कथावाचक और धर्म को कारोबार बनाने वालों ने तो सहज रूप से सबसे शक्तिशाली दल और सरकार के समर्थन में बोलना शुरू कर दिया लेकिन आध्यात्मिक परंपरा का पालन करने वाले शंकराचार्यों ने ऐसा नहीं किया। तभी जब सौंदर्यीकरण के नाम पर मंदिर तोड़े गए तो स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री की तुलना औरंगजेब से कर दी या जब अयोध्या में राममंदिर संपूर्ण नहीं हुआ था, उसका शिखर नहीं बना था, उस पर ध्वजा नहीं फहराई गई थी तो चारों शंकराचार्य उसके उद्घाटन में शामिल होने नहीं गए। हो सकता है कि इससे राजसत्ता में नाराजगी हुई हो। राजसत्ता ने धर्मसत्ता को अपने लिए चुनौती की तरह देखा हो और अविमुक्तेश्वरानंद के पुराने राजनीतिक बयानों को आधार बना कर उनके बहाने शंकराचार्य की समूची व्यवस्था की साख बिगाड़ने और उसका महत्व कम करने का प्रयास किया जा रहा हो। यह भी हो सकता है कि प्रयागराज में माघ मेले में हुई घटना के बहाने सबक देने की कोशिश हुई हो ताकि आगे यह सुनिश्चित किया जा सके कि धर्मसत्ता कभी भी राजसत्ता का विरोध न करे। शंकराचार्य इस बात को समझ रहे हैं तभी धीरे धीरे बाकी तीन शंकराचार्यों, द्वारिका की शारदा पीठ के सदानंद जी महाराज, पुरी की गोवर्धन पीठ के स्वामी निश्चलानंद जी महाराजा और शृंगेरी पीठ के स्वामी भारती तीर्थ जी महाराज ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का समर्थन किया है। पहले अगर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के पट्टाभिषेक को लेकर कुछ संशय् था तो उसे दरकिनार करके तीनों शंकराचार्य उनके समर्थन में उतरें हैं। ध्यान रहे शंकराचार्य का चयन शंकराचार्य ही करते हैं। उसके बाद ज्यादा से ज्यादा यह होता है कि बाकी शंकराचार्य उसका समर्थन करें। इस लिहाज से अविमुक्तेश्वरानंद की नियुक्ति विवादित नहीं होनी चाहिए थी क्योंकि उनके गुरू और शारदा पीठ व ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती ने उनकी नियुक्ति की थी। ज्योतिषपीठ विवाद में इसलिए फंसा क्योंकि स्वरूपानंद सरस्वती दो पीठों के शंकराचार्य थे। सवाल उठाया गया कि एक व्यक्ति दो पीठ का शंकराचार्य नहीं हो सकता है। इसी तरह से यह भी परंपरा है कि कोई भी पीठ खाली नहीं रहेगी। सो, अगर अविमुक्तेश्वरानंद को शंकराचार्य नहीं माना जाए तो क्या तीन साल से ज्यादा समय से ज्योतिषपीठ खाली है? बहरहाल, सरकार को इन तमाम बातों की जानकारी है। इसके बावजूद शंकराचार्य से जुड़े विवाद को बढ़ने दिया गया और उनको ससम्मान स्नान करा कर विदा करने और विवाद समाप्त करने की बजाय उनको धमकाया गया। सोचें, जो सरकार या जो पार्टी हत्या और बलात्कार के दोषी ठहराए गए या आरोपी बनाए गए कथावाचकों व कथित संतों को समस्त सुविधाएं देती हो वह एक शंकराचार्य के साथ ऐसा बरताव करे तो क्या इसे सामान्य घटना मान सकते हैं?

बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन की वैचारिक क्रांति

ललित गर्ग

बांग्लादेश के लिए यह क्षण आत्ममंथन का भी है। क्या वह अपनी पहचान को केवल धार्मिक राष्ट्रवाद तक सीमित करेगा, या भाषा, संस्कृति और बहुलता की उस विरासत को आगे बढ़ाएगा जिसने उसे जन्म दिया? मुक्ति संग्राम की मूल भावना सामाजिक न्याय और समान अवसर की थी। बांग्लादेश की राजनीति एक बार फिर इतिहास के मोड़ पर खड़ी है। लगभग दो दशकों के लंबे अंतराल के बाद यदि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) स्पष्ट बहुमत के साथ सत्ता में लौटती है और तारिक रहमान प्रधानमंत्री पद की दावेदारी तक पहुंचते हैं, तो यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि राजनीतिक दिशा परिवर्तन का संकेत होगा। 299 सीटों में से 212 पर विजय का दावा इस बात का प्रमाण है कि मतदाता लंबे समय से चली आ रही अस्थिरता, अंतरिम व्यवस्थाओं और वैचारिक ध्रुवीकरण से बाहर निकलकर एक निर्णायक जनादेश देना चाहता है। छात्र आंदोलन से उपजी नेशनल सिटीजन पार्टी का मात्र छह सीटों पर सिमटना भी इस तथ्य को पुष्ट करता है कि जनभावना प्रयोगधर्मिता से आगे बढ़कर स्थायित्व की ओर झुक रही है। लगभग अठारह महीने से चल रही अंतरिम व्यवस्था के अवसान के साथ बांग्लादेश एक नए अध्याय में प्रवेश करने जा रहा है, पर प्रश्न यह है कि यह अध्याय उदार लोकतंत्र का होगा या किसी नए प्रकार के वैचारिक वर्चस्व का? बांग्लादेश का इतिहास संघर्ष, त्याग और पहचान की जिजीविषा से निर्मित हुआ है। 1971 के मुक्ति संग्राम में भारत की निर्णायक भूमिका केवल सैन्य सहायता तक सीमित नहीं थी, वह सांस्कृतिक और मानवीय सहयोग का भी प्रतीक थी। परंतु पिछले कुछ वर्षों में राजनीतिक ध्रुवीकरण, कट्टरवादी विमर्श और बाहरी प्रभावों ने उस ऐतिहासिक आत्मीयता पर धुंध डालने का प्रयास किया। अंतरिम सरकार के दौरान जिस प्रकार वैचारिक कठोरता और प्रशासनिक असमंजस दिखा, उसने अर्थव्यवस्था और सामाजिक ताने-बाने दोनों को प्रभावित किया। ऐसे समय में स्पष्ट जनादेश को स्थिरता का अवसर माना जा सकता है, बशर्ते सत्ता इसे प्रतिशोध का माध्यम न बनाए, बल्कि पुनर्निर्माण का औजार बनाए। तारिक रहमान के सामने सबसे बड़ी चुनौती सांप्रदायिक सौहार्द की पुनर्स्थापना होगी। बांग्लादेश का सामाजिक ढांचा बहुलतावादी है, वहां अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा और सम्मान केवल नैतिक दायित्व नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक विश्वसनीयता की कसौटी है। यदि नई सरकार कट्टरवाद से दूरी बनाकर विकासोन्मुखी एजेंडा अपनाती है, तो वह न केवल आंतरिक स्थिरता ला सकती है, बल्कि दक्षिण एशिया में एक सकारात्मक उदाहरण भी प्रस्तुत कर सकती है। पर यदि चुनावी विजय को वैचारिक वर्चस्व के रूप में प्रस्तुत किया गया, तो यह जनादेश अवसर से अधिक संकट में बदल सकता है। आर्थिक मोर्चे पर बांग्लादेश ने पिछले दशक में उल्लेखनीय प्रगति की थी। वस्त्र उद्योग, निर्यात वृद्धि और महिला सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में उसने मिसाल कायम की। किंतु राजनीतिक अस्थिरता और नीतिगत अनिश्चितता ने निवेशकों के विश्वास को झटका दिया। अब नई सरकार के लिए यह अनिवार्य है कि वह आर्थिक सुधारों को गति दे, रोजगार सृजन पर ध्यान केंद्रित करे और विदेशी निवेश के लिए अनुकूल वातावरण बनाए। विकास की नई गंगा तभी बहेगी जब शासन पारदर्शी, जवाबदेह और समावेशी होगा। केवल नारे या राष्ट्रवाद की तीखी ध्वनियां आर्थिक संकट का समाधान नहीं बन सकतीं। भारत-बांग्लादेश संबंध इस चुनाव के सबसे महत्वपूर्ण आयामों में से एक हैं। दोनों देशों के बीच साझा इतिहास, सांस्कृतिक निकटता और आर्थिक परस्परता है। सीमा प्रबंधन, जल बंटवारा, व्यापार और सुरक्षा सहयोग जैसे मुद्दे परस्पर विश्वास से ही सुलझ सकते हैं। हाल के वर्षों में पाकिस्तान के साथ बढ़ती निकटता और भारत के प्रति संदेहपूर्ण बयानबाजी ने संबंधों में अनावश्यक तनाव पैदा किया। यदि नई सरकार क्षेत्रीय संतुलन की नीति अपनाते हुए भारत के साथ सौहार्दपूर्ण संवाद पुन: स्थापित करती है, तो यह दोनों देशों के हित में होगा। भारत ने बांग्लादेश के निर्माण और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, उस ऐतिहासिक साझेदारी को भावनात्मक नहीं, व्यावहारिक आधार पर पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है। यह भी ध्यान रखना होगा कि दक्षिण एशिया की राजनीति अब केवल द्विपक्षीय समीकरणों तक सीमित नहीं है। चीन की बढ़ती उपस्थिति, अमेरिका की रणनीतिक रुचि और पाकिस्तान की पारंपरिक भूमिका-इन सबके बीच बांग्लादेश को संतुलित कूटनीति अपनानी होगी। यदि नई सरकार वैचारिक आग्रहों से ऊपर उठकर राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि रखती है, तो वह क्षेत्रीय शक्ति संतुलन में एक परिपक्व भूमिका निभा सकती है। परंतु यदि विदेश नीति घरेलू राजनीति का विस्तार बन गई, तो अस्थिरता का चक्र फिर दोहराया जा सकता है। इस चुनाव का एक और महत्वपूर्ण संकेत यह है कि बांग्लादेश का मतदाता अब निर्णायकता चाहता है। लंबे समय तक आंदोलन, विरोध और अंतरिम प्रयोगों से थका समाज स्थिर शासन की आकांक्षा रखता है। किंतु स्थिरता केवल बहुमत से नहीं आतीय वह संस्थाओं की मजबूती, न्यायपालिका की स्वतंत्रता और मीडिया की स्वायत्तता से आती है।

मुक्तागिरी में विद्या शिरोमणि आचार्य समयसागर महाराज ने आचार्य बनने के बाद पहली बार 22 मुनिओं को निर्ग्रंथ जैनेश्वरी दीक्षा प्रदान की

मुक्तागिरी से प्रवक्ता अविनाश जैन विद्यावाणी की एक रिपोर्ट

बैतूल (विश्व परिवार)। आचार्य प्रवर समय सागर महाराज ने मूल संघ के संस्थापक आचार्य कुंद कुंद की वीतरागी निर्ग्रंथ परंपरा में आचार्य शांतिसागर, आचार्य श्री वीरसागर, आचार्य श्री शिवसागर, आचार्यश्री ज्ञानसागर, आचार्य श्री विद्यासागर जी के पश्चात एक नया स्वर्णिम इतिहास उन क्षणों में बन गया जब वर्तमान के संघ नायक आचार्य श्री समयसागर महाराज ने 22 साधकों के लिये निर्ग्रन्थ मुनि दीक्षा प्रदान की, यह स्वर्णिम अवसर श्री सिद्धक्षेत्र मुक्तागिरी जिला वैतूल मध्यप्रदेश में 19 फरबरी 2026 फाल्गुन सुदी 2 की शुभ तिथी में घटित हुआ प्रात:कालीन वेला में कार्यक्रम का शुभारंभ प्रशांत जैन एवं श्रीमति दिव्या जैन मुम्वई ने ध्वजारोहण करके किया मध्यान्ह बेला में आचार्य प्रवर श्री समयसागर महाराज के मंचासीन होते ही कार्यक्रम के संचालक प्रसिद्ध प्रतिष्ठाचार्य ब्रहम्चारी विनय भैया ने कार्यक्रम का उद्देश्य, एवं संयोजना को सारगर्भित तरीके से सभी के समक्ष रखा अपार जनसमुदाय की उपस्थिति में देश के भामाशाह श्रावकश्रैष्ठी श्रीअशोकपाटनी (आर के मार्वल) श्री विनोद कोयला विलासपुर, श्री राजा भैया सूरत, श्री विनोद बड़जात्या रायपुर, श्री प्रभात जैन मुम्वई, श्री सुधीर जैन कागजी दिल्ली, श्री चमनलाल जैन दिल्ली, श्री राकेश जैन लालाजी अशोकनगर, श्री अजय धनगसिया अजमेर

नीरज जैन जिनवाणी चैनल आगरा, प्रदीप जैन पी.एन सी.आगरा आदि महानुभावों ने दीप प्रजजलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की इस अवसर पर मुनि श्री प्रशस्त सागर महाराज ने आचार्य गुरुदेव श्री विद्यासागर जी महाराज की महिमा और आचार्य प्रवर समयसागर महाराज की गरिमा का उल्लेख करते हुये कहा की आचार्य श्री समयसागर महाराज ने 22 जिनेश्वरी दीक्षायें प्रदान करके विद्याकुल में वृद्धि कर शुभारंभ कर रहे है इस अवसर पर सभी 22 दीक्षार्थी साधकों ने आचार्य श्री से दीक्षा दैने के भाव प्रकट करते हुये गृहस्थ जीवन के मातापिता का आभार प्रकट करते हुये सभी परिवारी जन एवं इष्टमित्रों एवं सभी जीवों से क्षमायाचना की एवं सभी को क्षमा किया तत्पश्चात आचार्य गुरुदेव ने दीक्षाविधी को जब प्रारंभ किया तो आचार्य गुरुदेव के गगनभेदी जयजयकार के नारे लगे आचार्य श्री ने गंधोदक, केसर और कपूर मिश्रित उबटन लगाकर केशलोंच विधी के साथ श्रीकार तथा अंकलेखन किया तत्पश्चात जैसे ही गुरुदेव ने वस्त्र विमोचन का आदेश दिया सभी 22 साधकों ने एक साथ अपने अपने वस्त्रों को अपने से अलग किया तो ऐसा लगा कि जैसे कालचक्र रूक रहा है, और सभी साधक समयसार की अनुभूति करते हुये सिद्धत्व जैसे भावों का खड़्गासन निर्ग्रन्थ वीतरागता का अनुभव कर रहे थे, यह दृश्य देखकर अपार जनसमूह ने आचार्य श्री की गगनभेदी जयजयकार किया आचार्य गुरुदेव ने उनको वैठने का संकेत दिया तथा उनके हाथों में सामग्री के रुप में अर्ध तथा श्रीफल देकर के 28 मूलगुणों को आरोपित कर उनके महत्व को समझाया एवं सभी साधकों ने उस सामग्री को ग्रहस्थ जीवन की सौभाग्य वती माता बहनों को प्रदान कर दिये।तत्पश्चात आचार्य गुरुदेव ने सभी साधकों को पिच्छी एवं कमंडल देते हुये उसके महत्व को समझाते हुये शास्त्रोक्त विधी के अनुसार पांच महावृतों का पालन करने का निर्देश दिया इस अवसर पर संपूर्ण भारत से बाल ब्र.जिनेश भैया जबलपुर ब्र.संजय भैया पनागर अनिलभैया अधिष्ठाता इंदौर, ब्र. मधुर भैया सहित सैकड़ो की संख्या में बाल ब्रहम्चारी एवं बहनें तथा प्रतिभास्थली की बहनें उपस्थित थी तथा अनेक नगरों से आये श्रावक वंधुओं ने नियम लेकर नये मुनिराजों को पिच्छी कमंडल भेंट किये।निर्यापक मुनि श्री समतासागर महाराज ने कहा कि आज का दिन बहूत शुभ है, फाल्गुन माह दौज की तिथी और गुरुवार का दिवस है, शुभ संयोग के साथ मुक्तागिरी में हमारे संघ नायक आचार्य श्री समयसागर महाराज ने आचार्य बनने के पश्चात जिस प्रकार से 22 निर्ग्रन्थ मुनि महाराज को दीक्षा दी है यह हम सभी के लिये बहूत बडी़ गौरव की बात है उससे आज सभी गौरान्वित महसूस हुये है, उन्होंने कहा इसी स्थान से आचार्य गुरुदेव ने 11फरवरी 1998 को 9 मुनि दीक्षा प्रदान की थी 28 साल बाद पुन्हा यह मौका मुक्तागिरी को मिला यह भगवान श्री पारसनाथ स्वामी का और गुरुदेव आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के आशीर्वाद का ही प्रतिफल है।

दुर्ग से पुरी तक आस्था की यात्रा, युवाओं का दल रवाना

भिलाई (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी दुर्ग के जिला प्रवक्ता एवं युवा मोर्चा के पूर्व अध्यक्ष नितेश साहू के नेतृत्व में दुर्ग से 100 युवाओं का उत्साही दल भगवान जगन्नाथ जी के दर्शन करने पुरी धाम के लिए रवाना हुआ। यह धार्मिक एवं सांस्कृतिक यात्रा युवाओं में आध्यात्मिक जागरूकता, सांस्कृतिक मूल्यों एवं राष्ट्रभावना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आयोजित की गई है। आज के दौर में जहां अधिकांश युवा अवकाश के अवसर पर पर्यटन स्थलों जैसे गोवा की ओर आकर्षित होते हैं, ऐसे माहौल में धर्म और संस्कृति की ओर युवाओं को प्रेरित करना एक सराहनीय एवं सकारात्मक पहल मानी जा रही है। इस यात्रा के माध्यम से युवाओं को भारतीय सनातन परंपरा, आस्था और आध्यात्मिक जीवन मूल्यों से जोडने़ का प्रयास किया जा रहा है।

बोलखेड़ा पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव: छठम दिवस मोक्षकल्याणक

- नवीन वेदियों में भगवान के विराजमान के साथ भव्य पंचकल्याणक का हुआ समापन*
- दिव्य, अद्धभुत तीर्थ का निर्माण,किसी व्यक्तित्व की साधना का परिणामः मुनि प्रणम्य सागर महाराज

कामां। जम्बू स्वामी की तपोभूमि ग्राम बोलखेड़ा में वर्धमान पंच बालयति तीर्थ क्षेत्र पर चल रहे जैन धर्म के पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के अंतिम दिवस मोक्ष कल्याणक के अवसर पर अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज ने कहा कि इस दिव्य,अद्धभुत तीर्थ का निर्माण ब्रह्चारी गोकुल राम जैन बाबा के व्यक्तित्व की साधना का परिणाम है। जब कोई ठान लेता है और उस दिशा में दृढ़ता से आगे बढ़ता है तो इतिहास की रचना करता है। आज इस वर्धमान पंच बालयति तीर्थ क्षेत्र बोलखेड़ा पर भी इतिहास की रचना हुई है।

मुनिराज ने कहा कि यह भूमि अति पावन है जहां जैन धर्म के अंतिम अनुबद्ध केवली भगवान जम्बूस्वामी के तप की वर्गणा वातवरण में उपस्थिति का अहसास कराती है। उन्होंने सब को जिम्मेदारी का अहसास दिलाते हुए कहा कि अब इस आलोकित तीर्थ का निर्माण हो चुका है जिसे आसपास की जैन समाजों को सम्हालना है। वास्तविक रुप से सम्पूर्ण भारत वर्ष में ऐसी त्रय स्तरीय वेदिका नही है जो इस तीर्थ की आभा को प्रकाशित कर रही है। मुनि प्रणम्य सागर महाराज ने सभी को कार्यक्रम की सफलता के लिए आशीर्वाद भी प्रदान किया। गोकुल राम ट्रस्ट के सचिव वेद प्रकाश जैन व त्रिलोक जैन बे बताया कि प्रात: भगवान को मोक्ष के साथ ही इस भव्य आयोजन का समापन हवन व नवीन वेदिका में भगवान विराजमान के साथ हुआ। इस अवसर पर स्थानीय मीडियाकर्मियों व कार्यकर्ताओं का सम्मान भी समिति के द्वारा किया गया। समिति के अध्यक्ष गोकुल राम जैन ने आभार प्रकट करते हुये कहा कि मैं अभिभूत हूँ जो इतने बड़े आयोजन को आप सब के सहयोग से सफलता पूर्वक सम्पन्न किया है।

नवीन वेदिका में भगवान हुए विराजमान: संजय जैन बड़जात्या कामां ने अवगत कराया कि पंचकल्याणक प्रतिष्ठा के दौरान प्रतिष्ठित जिनबिम्बो को पुण्यार्जक परिवारों द्वारा प्रतिष्ठाचार्य शुभम जैन व धीरज जैन राहतगढ़ के निर्देशन में विधिवत विराजमान किया तो यह दृश्य देखकर भक्तों की भक्ति परवान चढ़ने लगी। जैन धर्म व आचार्य विद्यासागर महाराज के जयकारों से वातावरण गुंजायमान हो गया।प्रतिमा प्रदाता परिवारों ने अपने मस्तक पर विराजमान कर वेदी में स्थापना की। कामां से महेश चन्द, संजय जैन, सुनील जैन सर्राफ परिवार द्वारा भी एक प्रतिमा विराजमान की गई।

सीकरी के लिए हुआ विहार

पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव समाप्ति के उपरांत दोपहर बाद मुनि प्रणम्य सागर महाराज का ससंघ सीकरी कस्बे के लिए पद विहार हुआ तो गुरु भक्तों ने भावभीनी विदाई दी। पुष्पेंद्र जैन सीकरी ने अवगत कराया कि शनिवार सुबह कैथवाड़ा से पद विहार कर मुनि संघ का सीकरी में मंगल पदार्पण होगा।

जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

रायपुर (विश्व परिवार)। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने आज लखनपुर स्थित अपने निज निवास पर क्षेत्र के नागरिकों एवं जनप्रतिनिधियों से भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने न केवल आमजन की समस्याओं को गंभीरता से सुना, बल्कि संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण हेतु निर्देशित भी किया।

मंत्री श्री राजेश अग्रवाल का यह जनसंपर्क कार्यक्रम औपचारिकता से परे, संवेदनशील संवाद का उदाहरण बनकर सामने आया। उनके व्यवहार में सहजता, सहृदयता और आत्मीयता स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुई। क्षेत्रवासियों ने खुलकर सडक़, पेयजल, विद्युत, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुविधाओं से जुड़ी मांगें मंत्री के समक्ष रखीं, जिन पर उन्होंने तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने का भरोसा दिलाया। मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि प्रदेश सरकार जनकल्याण एवं क्षेत्रीय विकास के लिए प्रतिबद्ध है तथा प्रत्येक नागरिक की समस्या का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त आवेदनों पर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा प्रगति की नियमित समीक्षा की जाए।

श्री राजेश अग्रवाल का मानना है कि जनप्रतिनिधि का दायित्व केवल योजनाओं की घोषणा तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि जनता के सुख-दुख में सहभागी बनना ही वास्तविक जनसेवा है। श्री अग्रवाल जनता से निरंतर संपर्क में रहकर समस्याओं के समाधान के प्रति प्रतिबद्ध हैं।

बच्चों के चेहरों पर आई मुस्कान कर्मचारियों का जन्मदिन बना यादगार

रायपुर (विश्व परिवार)। जिले में शासकीय कर्मचारियों के जन्मदिन अब केवल व्यक्तिगत आयोजन नहीं रह गए हैं, बल्कि समाज सेवा का माध्यम बनते जा रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की मंशानुसार प्रधानमंत्री पोषण शक्ति योजना और न्योता भोज के अंतर्गत संचालित प्रोजेक्ट आओ बाँटें खुशियाँ का उद्देश्य ही है - खुशियों को बाँटना, और इस पहल को शासकीय कर्मचारी पूरे उत्साह के साथ अपना रहे हैं। इसी क्रम में आज कम्युनिटी हेल्थ ऑफीसर सुश्री जिज्ञासा साहू ने शासकीय प्राथमिक शाला सकरी एवं फार्मासिस्ट ग्रेट 2 श्रीमती मंजू भारद्वाज ने आंगनबाड़ी केंद्र बोरियाकला में विद्यार्थियों के साथ जन्मदिवस के अवसर पर बच्चों के साथ केक काटकर, फल और पौष्टिक आहार वितरित कर इस दिन को विशेष बनाया।

राज्यपाल रमेन डेका ने किए महाप्रभु जगन्नाथ भगवान के दर्शन

रायपुर (विश्व परिवार)। राज्यपाल रमेन डेका ने आज रायपुर के गायत्री नगर स्थित जगन्नाथ मंदिर पहुंचकर भगवान जगन्नाथ के दर्शन एवं पूजन कर देश एवं प्रदेश वासियों की सुख समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर विधायक पुरंदर मिश्रा उपस्थित थे।

सेवोक-रंगपो रेलवे परियोजना दिसंबर 2027 तक पूरी होगी

सिक्किम से हरीशंकर सोनी की रिपोर्ट

छत्तीसगढ़ मीडिया प्रतिनिधिमंडल ने अद्भुत परियोजना का अवलोकन किया

सिक्किम की धुंध से ढकी पहाड़ियों और गहरी घाटियों के बीच, स्टील की पटरियों पर एक क्रांति आकार ले रही है। जिसे कभी एक दुर्गम क्षेत्र माना जाता था, अब उसे महत्वाकांक्षी %सेवोक-रंगपो% रेलवे परियोजना के साथ जोड़ा जा रहा है, जो न केवल कनेक्टिविटी, बल्कि भारत की पूर्वोत्तर सीमा के लिए वाणिज्य, गतिशीलता और एकीकरण के एक नए युग का संकेत दे रही है। 44.96 किमी लंबी सेवोक-रंगपो लाइन का काम प्रगति पर है और इसे दिसंबर 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है, जो सिक्किम को अपनी पहली रेलवे कनेक्टिविटी प्रदान करेगी।

छत्तीसगढ़ से आए पत्रकारों के प्रतिनिधिमंडल ने सिक्किम के रंगपो में सेवोक-रंगपो परियोजना स्थल का दौरा किया। परियोजना के विवरण पर परियोजना के सलाहकार मोहिंदर सिंह ने प्रकाश डाला। उन्होंने सूचित किया कि 44.96 किमी लंबी सेवोक-रंगपो लाइन का कार्य प्रगति पर है और इसे दिसंबर 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य है, जिससे सिक्किम को पहली रेल कनेक्टिविटी मिलेगी। परियोजना का लगभग 90त्न कार्य पूरा हो चुका है और भारत के पहले टनल स्टेशन तीस्ता बाजार का काम लगभग पूरा होने वाला है। परियोजना के कुल 5 स्टेशन पूर्ण होने के विभिन्न चरणों में हैं। इस परियोजना की सबसे लंबी सुरंग लगभग 5300 मीटर और सबसे छोटी सुरंग 542 मीटर लंबी है। इस परियोजना की आधारशिला 30 अक्टूबर 2019 को भारत के उपराष्ट्रपति द्वारा रंगपो में और रेल मंत्री द्वारा सिवोक में रखी गई थी।

जगत कल्याण की कामना के लिए हुई महाशान्ति धारा

- दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी में चल रहा है असीम क़ालीन भक्तावर विधान
- भक्तामर मंडल विधान करके पुण्य अर्जित करने का सौभाग्य प्राप्त करें-- विजय धुर्रा

अशोक नगर(विश्व परिवार)। अंचल के सबसे बड़े तीर्थ अतिशय क्षेत्र दर्शनोंदय तीर्थ थूवोनजी के खड़े बाबा भगवान आदिनाथ स्वामी के दरवार में भक्तों द्वारा भगवान का कलशाभिषेक किया गया।

इस दौरान आज जगत कल्याण की कामना के लिए महा शान्ति धारा की गई जिसका सौभाग्य सौधर्म इन्द्र वनकर जैन समाज अशोक नगर के मंत्री विजय धुर्रा इंसान इन्द्र दर्शनोदय थूवोनजी के मंत्री शैलेन्द्र दददा सनत इन्द्र मंत्री प्रदीप जैन रानी पिपरई महेन्द्र इन्द्र वनकर सुमित जैन ने सौभाग्य प्राप्त किया। इस दौरान जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा ने कहा कि परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज ने इस तीर्थ के उद्धार के लिए इस अंचल के भक्तो से जोड़ा अव रोज रोज भक्तों के समूह पिपरई मुंगावली शाढ़ौरा अशोक नगर से भक्तों के समूह आते हैं और जगत कल्याण की कामना करते हुए भगवान के चरणों में जगत के सुख शांति समृद्धि की कामना करते हुए भगवान की भक्ति से अपने आप को जाडते है यहां असीम क़ालीन भक्तावरविधान का सौभाग्य हम सब को परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज के आशीर्वाद से मिल रहा है जिसे यह शुभ अवसर प्राप्त करना हो वह अपने नाम कमेटी तक पहुंच कर सौभाग्य प्राप्त कर सकता है।

मन्दिर निर्माण में शिला स्थापित करने का सौभाग्य प्राप्त करें

इस दौरान क्षेत्र कमेटी के पूर्व महामंत्री विपिन सिंघई ने कहा कि दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी के संरक्षक परम संरक्षक वनकर हर व्यक्ति जुड़ सकता है इसके लिए एक निश्चित राशि तीर्थ की सेवा में समर्पित कर भक्त ये सौभाग्य प्राप्त कर सकते हैं इस तीर्थ पर मन्दिरो की श्रृंखला तैयार हो रही है इसमें भी भक्तो को शिला स्थापित करने का सौभाग्य मिला सकता यहां समान्य शिला के साथ वीज अक्षर शिला और पंच बीज अक्षर शिला स्थापित की जा रही है इस दौरान कमेटी की ओर से सभी पुण्यर्जको का सम्मान स्मृति चिन्ह भेंट कर किया गया इस दौरान संजय मोदी मोनू जैन सुमित जैन अहित अन्य प्रमुख जन उपस्थित थे।

पॉवर कंपनी डंगनिया औषधालय में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी के डंगनिया औषधालय द्वारा विद्युत कर्मियों के लिए नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर मे तीनों कंपनियों जनरेशन , ट्रांसमिशन एवं डिस्ट्रीब्यूशन के कर्मियों ने ऑख,नाक एवं कान के विशेषज्ञों से परामर्श एवं जॉच की सुविधा प्राप्त की। डंगनिया औषधालय के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ एच .एल पंचारी ने बताया कि शिविर में बीपी,शुगर,हार्टरेट एवं वरिष्ठ मरीज आमतौर पर सुनने में कमी ,साइनस की समस्या, गले मे संक्रमण जैसी समस्याओं के लिए परामर्श एवं जॉच की सुविधाओं का लाभ लिए। विद्युत कंपनी के अधिकारी,कर्मचारी,पेंशनर्स एवं आश्रित परिवरजनों को नि:शुल्क परीक्षण की सुविधा प्राप्त हुई।यह शिविर में डॉ निलिसाी एवं डॉ तोमन कन्द्रा ने सेवाएं दी। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी की वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ इंदू साहू उपस्थित थीं।

कलिंगा विवि में 24 घंटे की नवाचार चुनौती पर हैकाथॉन 2026 का सफल आयोजन हुआ

रायपुर (विश्व परिवार)। हैकाथॉन छात्रों में नवाचार और समस्या-समाधान कौशल को बढ़ावा देने के लिए आयोजित किए जाते हैं। ये हैकाथॉन छात्रों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने, उद्योग विशेषज्ञों के साथ सहयोग करने और जटिल समस्याओं के समाधान में योगदान देने के लिए एक सशक्त मंच प्रदान करते हैं। ये हैकाथॉन क्षेत्र के अनुभवी पेशेवरों से सीखने और उनके साथ नेटवर्किंग करने के अवसर भी प्रदान करते हैं।

कंप्यूटर साइंस विभाग तथा सूचना प्रौद्योगिकी संकाय, कलिंगा विश्वविद्यालय ने 17 एवं 18 फरवरी 2026 को आयोजित 24 घंटे की निरंतर नवाचार प्रतियोगिता 'हैकाथॉन-2026' का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस हैकाथॉन का उद्देश्य छात्रों में रचनात्मकता, टीमवर्क तथा वास्तविक जीवन की समस्याओं के समाधान संबंधी कौशल को

प्रोत्साहित करना था। यह आयोजन चार प्रमुख क्षेत्रों—फिनटेक, गेमिंग एवं गेमिफिकेशन, साइबर सुरक्षा तथा अपशिष्ट प्रबंधन—पर आधारित था, जिसके माध्यम से प्रतिभागियों को समकालीन चुनौतियों के समाधान हेतु नवाचारी तकनीकी समाधान विकसित करने के लिए प्रेरित किया गया। यह प्रतियोगिता तीन सघन चरणों में आयोजित की गई, जिनमें प्रतिभागी टीमों ने निर्णायक मंडल के समक्ष अपने विचार, प्रोटोटाइप तथा अंतिम प्रस्तुतिकरण प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों एवं गणमान्य व्यक्तियों के स्वागत के साथ हुआ। कार्यक्रम के संयोजक कंप्यूटर साइंस एवं सूचना प्रौद्योगिकी संकाय के विभागाध्यक्ष डॉ. ओमप्रकाश देवांगन थे तथा कार्यक्रम का समन्वयन कंप्यूटर साइंस एवं सूचना प्रौद्योगिकी संकाय के सहायक प्राध्यापक डॉ. कमलेश कुमार यादव द्वारा किया गया।

एमएसएमई के लिए अवसर एवं व्यवहारिक पहल विषय पर कार्यशाला का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। केंद्रीय पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (CIPET), रायपुर ने डीटीआईसी कबीरधाम के सहयोग से स्स्स्थ, भारत सरकार की RAMP योजना के अंतर्गत ग्रीन पैकेजिंग: एमएसएमई के लिए अवसर एवं व्यवहारिक पहल विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यक्रम को छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक विकास निगम (CSIDC) एवं जिला उद्योग केंद्र (DIC) कबीरधाम द्वारा प्रायोजित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विशिष्ट अतिथियों श्री विशाल देवांगन, प्रबंधक, डीटीआईसी (DTIC) कबीरधाम तथा श्री हेमंत राजपूत, अधिकारी, डीटीआईसी (DTIC) कबीरधाम द्वारा किया गया। सीआईपीईटी रायपुर के प्रोसेसिंग विभाग प्रमुख श्री सामोजू पृथ्वीराज ने अतिथियों

का स्वागत किया एवं कार्यशाला के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला।

विशेषज्ञ वक्ता श्री दुर्गेश गंजीर, प्रबंधक, ने ग्रीन पैकेजिंग का अवलोकन, क्षेत्र में मांग एवं व्यावसायिक अवसर तथा एमएसएमई के लिए सरकारी सहयोग विषय पर प्रस्तुति दी। इसके पश्चात् सीआईपीईटी (CIPET) रायपुर के श्री एस. पृथ्वीराज ने ग्रीन पैकेजिंग- एक व्यवहारिक रोडमैप विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। श्री बृजेश गिरी ने ग्रीन पैकेजिंग में पौधों आधारित कच्चे माल के उपयोग एवं ऋण संबंधी सुविधाओं (क्रेडिट लिंकेज) की जानकारी प्रदान की।

कार्यशाला का समापन एक संवादात्मक सत्र के साथ हुआ, जिसमें प्रतिभागियों ने विशेषज्ञों के साथ अपनी समस्याओं एवं उनके समाधान पर विस्तार से चर्चा की।

सरकारी दफ्तर बिजली बिल चुका नहीं रहे, घाटा बता कर जनता से वसूला जा रहा हैः दीपक बैज

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ सरकार को बिजली विभाग की दुर्दशा के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि यह सरकार लाइन लॉस और बिजली चोरी रोक नहीं पा रही है, सरकारी विभागों पर ही करोड़ों का बिल भुगतान बकाया है, भाजपा के नेता मंत्री और अधिकारी बिना भुगतान किए अनियंत्रित उपभोग कर रहे हैं, बिजली विभाग सरकारी कार्यालयों से बिल वसूली नहीं कर पा रही है, अब सरकारी दफ्तरों और शासकीय भवनों से बकाया बिजली बिल की वसूली के लिए प्रीपेड बिलिंग सिस्टम लागू करने जा रहा है, इससे साफ है कि यह सरकार, सरकारी अनियमितताओं पर सरेंडर मोड

पर है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि एक तरफ यह सरकार बार-बार बिजली के दाम बढ़ा कर उपभोक्ताओं की जेब ढीली कर रही है, घरेलू उपभोक्ताओं को मिलने वाली 400 यूनिट बिजली बिल हाफ योजना खत्म कर दिया है। आम जनता यदि एक माह बिल जमा न कर पाए तो बिजली काट दी जाती है, लेकिन उन्हीं बिजली कंपनियों का सरकारी विभागों पर 2,800 करोड़ से अधिक की राशि बकाया है, वसूली नहीं कर पा रहे हैं, कंपनियों पर वित्तीय दबाव बढ़ रहा है, इसकी कीमत आम जनता चुका रही है। इस अकर्मण्यता को छुपाने के लिए ही प्रीपेड बिलिंग सिस्टम लागू किए जाने की बात कही जा रही है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि भाजपा सरकार में ब्यूरोक्रेट्स अर्थात आईएएस एसोसिएशन पर ही लगभग एक करोड़ रुपये का बिजली बिल बकाया है, जिसका भुगतान अब तक नहीं हुआ है। प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना केवल जुमला निकला, जमीनी हकीकत यह है कि अब तक प्रदेश में मात्र 1.47 लाख आवेदन प्राप्त हुए हैं।

टिकट चेकिंग के दौरान 177 यात्री बिना टिकट पकड़ाये, कुल 185 मामले दर्ज किया गया

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर रेल मंडल में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अवधेश कुमार त्रिवेदी के निर्देश पर उरकुरा रेलवे स्टेशन पर एम्बुश टिकट चेकिंग चेकिंग अभियान दिनांक 20 फरवरी, 2026 को सुबह 08.00 बजे से 13.00 बजे तक चलाया गया जिसमें लोकल पैसेंजर ट्रेनों में बिना टिकट यात्रा करने वाले लगभग 177 यात्री पकड़े गए, अनियमित टिकट का 01 यात्री, धूम्रपान करते 01 यात्री, अधिक लगेज का 01 यात्री और 05 यात्री जो फाइन नहीं दे पाए उन्हें रेलवे सुरक्षा बल को अग्रिम कार्यवाही के लिए सुपुर्द किया गया है। इस एंबुश टिकट चेकिंग अभियान में कुल 185 मामलों को दर्ज किया गया। इस टिकट चेकिंग अभियान का संचालन सहायक वाणिज्य प्रबंधक श्री

अविनाश कुमार आनंद के द्वारा एवं मुख्य वाणिज्य निरीक्षक, वाणिज्य निरीक्षक, टिकट चेकिंग स्टाफ, सहित कुल 20 स्टाफ ने उरकुरा स्टेशन पर लोकल ट्रेनों की एंबुश टिकट चेकिंग जांच की गई। टिकट चेकिंग के समय बिना टिकट के यात्री अफरा-तफरी मचा कर इधर-उधर भागने लगे जिन्हें वाणिज्य विभाग के टिकट चेकिंग स्टाफ में तत्परता दिखाते हुए टिकट जांच की इस टिकट जांच का मुख्य उद्देश्य यात्रियों को टिकट लेने के प्रति जागरूक करना था।

रेल प्रशासन यात्रियों से अनुरोध करता है की टिकट चेकिंग के दौरान रेलवे ट्रैक पर ना भागे सुरक्षा संरक्षा का ध्यान रखें ताकि निर्बाध रेल परिचालन के साथ-साथ किसी तरह की जान माल की हानि ना हो। रेल प्रशासन यात्रियों को आगाह करता है कि वे यात्रा हेतु उचित टिकट एवं रेल परिसर मे प्रवेश करने के पहले प्लेटफॉर्म टिकट अवश्य खरीदें।

निगम स्वास्थ्य विभाग ने कालीमाता वार्ड में चलाया स्वच्छता अभियान

रायपुर (विश्व परिवार)। आज रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे, स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष श्रीमती गायत्री सुनील चंद्राकर, आयुक्त श्री विश्वदीप के निर्देश पर स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान 2025-26 के अंतर्गत रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 3 जोन अध्यक्ष श्रीमती साधना प्रमोद साहू, जोन 3 जोन कमिश्नर श्रीमती प्रीति सिंह के मार्गदर्शन और जोन स्वास्थ्य अधिकारी श्री पूरन कुमार ताण्डी की उपस्थिति में जोन क्षेत्र अंतर्गत काली माता वार्ड क्रमांक 12 अंतर्गत शक्ति नगर क्षेत्र में मुक्कड़ को बन्द करवाने हेतु नगर पालिक निगम रायपुर के जोन क्रमांक 3 स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में

एक पहल स्वच्छता जनजागरूकता अभियान अंतर्गत शक्तिनगर क्षेत्र में नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 3 स्वास्थ्य विभाग द्वारा रामकी कंपनी के सुपरवाइजर, वार्ड की मितानिनों , आंगनबाड़ी सहायिकाओं के साथ मिलकर काली माता वार्ड के रहवासियों के मध्य स्वच्छता के प्रति जन -जन को जागरूक बनाने हेतु अभियान चलाया गया।

शंकर नगर-खम्हारडीह मुख्य मार्ग पर अवैध कब्जा हटाया

रायपुर (विश्व परिवार)। आज रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त श्री विश्वदीप के निर्देश पर नगर निगम जोन 3 नगर निवेश विभाग की टीम द्वारा नगर निगम जोन 3 क्षेत्र अंतर्गत शंकर नगर मुख्य मार्ग से खम्हारडीह मार्ग होते हुए अवन्ति विहार मुख्य मार्ग तक जनहित में सुगम और सुव्यवस्थित सड़क आवागमन आमजनों को उपलब्ध करवाने हेतु अभियान चलाकर सड़क मार्ग पर कब्जा कर व्यवसायरत 11 अवैध ठेलों को व्यवस्था सुधार हेतु नियमानुसार कड़ाई करते हुए जोन 3 जोन कमिश्नर श्रीमती प्रीति सिंह के मार्गनिर्देशन और कार्यपालन अभियंता श्री ईश्वर लाल टावरे, सहायक अभियंता श्री

नरेश साहू, उपअभियंता श्री अक्षय भारद्वाज की उपस्थिति में सड़क मार्ग पर जप्त कर लिया और प्रमुख सड़क मार्ग को अतिक्रमण से मुक्त करवाया. इस कार्यवाही से उक्त मुख्य मार्ग में सड़क आवागमन सुगम और सुव्यवस्थित हो गया, जिससे आमजनों को त्वरित राहत प्राप्त हुई.

एआई समिट के विरुध्द कांग्रेस का नग्न प्रदर्शन तकनीक और विकास विरोधी मानसिकता का परिचायकः भाजपा

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश प्रवक्ता शताब्दी पाण्डेय ने नई दिल्ली में आयोजित वैश्विक एआई समिट के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए अभद्र और अमर्यादित प्रदर्शन पर कड़ा प्रहार किया है। श्रीमती शताब्दी पाण्डेय ने इस कृत्य की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए इसे राष्ट्रीय स्वाभिमान और अद्यतन विकास के गौरव को शर्मसार करने वाली घटना बताया है।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्रीमती पाण्डेय ने कहा कि जहाँ आज पूरी दुनिया भारत की तकनीकी शक्ति का लोहा मान रही है और नई दिल्ली आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के वैश्विक केंद्र के रूप में उभर रही है, वहीं कांग्रेस का यह नग्न प्रदर्शन उसकी पिछड़ी और विकास-विरोधी सोच को दर्शाता है। राजनीति में विरोध के कई सभ्य तरीके होते हैं, लेकिन सड़कों पर उतरकर इस तरह का अश्लील आचरण करना कांग्रेस के राजनीतिक दीवालिएपन और वैचारिक पतन की पराकाष्ठा है। यह न केवल भारतीय संस्कृति के खिलाफ है, बल्कि विदेशी मेहमानों के सामने देश की छवि को धूमिल करने का कुत्सित प्रयास भी है। कांग्रेस आलाकमान को इस अमर्यादित कृत्य के लिए देश से माफी मांगनी चाहिए।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्रीमती पाण्डेय ने कहा कि एआई समिट युवाओं के लिए रोजगार और नवाचार के नए द्वार खोल रहा है। कांग्रेस इसका विरोध कर सीधे तौर पर देश के करोड़ों युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। कांग्रेस हमेशा से नई तकनीकों का विरोध करती आई है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का 62वां जन्मदिन 'सेवा-सुशासन-संकल्प दिवस' के रूप में मनाया जाएगा

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के 62वें जन्मदिवस को इस वर्ष पूरे प्रदेश में एक ऐतिहासिक और सेवाभावी उत्सव के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया है।

यह जानकारी देते हुए भाजपा प्रदेश महामंत्री डॉ. नवीन मार्कण्डेय ने बताया कि इस विशेष अवसर को 'सेवा-सुशासन-संकल्प दिवस' के रूप में समर्पित करते हुए, भारतीय जनता पार्टी के सभी मोर्चा और कार्यकर्ताओं ने व्यापक कार्ययोजना तैयार की है।

भाजपा प्रदेश महामंत्री डॉ. मार्कण्डेय ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री साय के जन्मदिन को जन-सेवा से जोड़ने के लिए प्रदेश के सभी जिलों में विविध कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाई गई है। इस अवसर पर प्रदेश के सभी सरकारी अस्पतालों, वृद्धाश्रमों और अनाथालयों में फल वितरण किया जाएगा। 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान और मुख्यमंत्री श्री साय के पर्यावरण प्रेम को देखते हुए राज्यभर में वृहद स्तर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। आम जनमानस की सुविधा के लिए प्रत्येक जिले में निःशुल्क मेडिकल कैंप लगाए जाएंगे, जहाँ विशेषज्ञों द्वारा जाँच और दवाइयों का वितरण होगा। सुशासन के संकल्प को दोहराने के लिए जिला स्तर पर संगोष्ठियों का आयोजन होगा।

सीएम के जन्मदिवस पर महिला मोर्चा का विशेष आयोजन

भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष विभा अवस्थी के निर्देशानुसार कल 21 फरवरी को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के जन्मदिवस पर महिला मोर्चा द्वारा विशेष कार्यक्रम रखा जाएगा। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक जागरुकता के उद्देश्य से जीवनदायी पीपल एवं नीम के पौधों का रोपण किया जाएगा। इस दौरान समस्त कार्यकर्ताओं द्वारा हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ कर प्रदेश की सुख-समृद्धि, शांति तथा मुख्यमंत्री श्री साय के उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना की जाएगी। यह कार्यक्रम प्रदेश के सभी जिलों में मंदिर प्रांगण में किया जाएगा जिसमें महिला मोर्चा की समस्त पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता सक्रिय रूप से सहभागिता करेंगी। महिला मोर्चा का यह आयोजन पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरुकता बढ़ाने के साथ-साथ आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने का एक सार्थक प्रयास है।

रिसाली महापौर ने वार्डवासियों से लिया फीडबैक, नाली पर हुए अतिक्रमण को हटाने दिए निर्देश

रिसाली (विश्व परिवार)। महापौर शशि सिन्हा विकास कार्य और व्यवस्थाओं का फीडबैक लेने वार्डो तक पहुंच रही है। वे अल सुबह वार्ड 15 मौहारी मरोदा पहुंची। रिसाली महापौर नागरिकों से बातचीत करते नाली पर हुए अतिक्रमण को हटाने निर्देश दिए।

मौहारी मरोदा क्षेत्र का भ्रमण करते महापौर और एमआईसी सद्स्यों ने साफ सफाई समेत व्यवस्थाओं पर नागरिकों से चर्चा की। उनका कहना था कि फीडबैक के आधार पर ही वे कार्य योजना तैयार कर विकास को गति देंगे। नागरिकों से मिले सुझाव को वे प्राथमिकता भी देंगे। इस दौरान उनकी नजर प्रजापति किराना स्टोर्स के पास नाली पर हुए अतिक्रमण पर टीकी। उन्होंने निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए कि अतिक्रमण को तत्काल

हटाया जाए। निरीक्षण के दौरान महापौर परिषद के सद्स्य अनिल देशमुख, संजू नेताम समेत प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी अमित चंद्राकर, राजस्व विभाग के प्रभारी अधिकारी योगेश सुरे, जलकार्य विभाग के गोपाल सिन्हा आदि मौजूद थे।

सफाई व्यवस्था पर दे ध्यान: निरीक्षण के दौरान महापौर शशि सिन्हा सफाई व्यवस्था को भी देखी। उन्होंने प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देश दिए कि जाम नाली की सफाई सबसे पहले काराएं। इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए कि कहीं गंदा पानी का जमावड़ा तो नहीं हो रहा है।

नागरिकों ने की मांग: इस दौरान नागरिकों ने कुछ खंभों में लाइट नहीं जलने की शिकायत की। नागरिकों का कहना था कि गली में अंधेरा रहता है।

छत्तीसगढ़ की ओर से अनुसूचित क्षेत्रों में जनजातीय विरासत के दस्तावेजीकरण और डिजिटल संरक्षण का कार्य शुरू किया गया

रायपुर (विश्व परिवार)। पंचायती राज मंत्रालय ने आज नई दिल्ली में मेरी परंपरा- मेरी विरासत विषय पर एक दिवसीय विचार-विमर्श सत्र का आयोजन किया। इस सत्र में पंचायती राज मंत्रालय के सचिव श्री विवेक भारद्वाज, मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों, छत्तीसगढ़ सरकार के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र , शिक्षाविदों, विद्वानों, सांस्कृतिक विशेषज्ञों, पंचायत प्रतिनिधियों और छत्तीसगढ़ के आदिवासी समुदायों के नेताओं ने भाग लिया। कार्यशाला का आयोजन पंचायती राज मंत्रालय ने IGNCA, संस्कृति मंत्रालय और छत्तीसगढ़ सरकार के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के सहयोग से किया।

सत्र को संबोधित करते हुए

श्री विवेक भारद्वाज ने इस बात पर जोर दिया कि परंपराएं और रीति-रिवाज किसी समुदाय की पहचान होते हैं और इनके लुप्त होने से उसका विशिष्ट चरित्र नष्ट हो जाता है। उन्होंने कहा कि यह पहल अपने समुदाय-केंद्रित दृष्टिकोण के लिए उल्लेखनीय है, जो जनजातीय विरासत के सभी पहलुओं को व्यापक रूप से कवर करती है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि समुदायों द्वारा स्वयं दस्तावेजीकृत और संरक्षित विरासत प्रामाणिक और स्थायी मूल्य रखती है, और उन्होंने साझा उद्देश्य से प्रेरित सामूहिक प्रयासों का आह्वान किया।

छत्तीसगढ़ सरकार के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की प्रधान सचिव श्रीमती निहारिका बारीक सिंह ने राज्य के कार्यान्वयन ढांचे को प्रस्तुत किया और इस पहल में भागीदार बनने की तत्परता व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य की समृद्ध जनजातीय विरासत और विविध सांस्कृतिक परंपराएं इसके प्रभावी कार्यान्वयन के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करती हैं। आईजीएनसीए के सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने कहा कि जनजातीय परंपराओं का दस्तावेजीकरण स्थानीय स्तर पर, उन लोगों द्वारा किया जाना जो इन परंपराओं को जानते और जीते हैं, प्रामाणिकता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करता है। उन्होंने आगे कहा कि जनजातीय परंपराओं का डिजिटलीकरण जीवित विरासत को संरक्षित करने, युवाओं को अपनी जड़ों से जोड़ने और उनकी सांस्कृतिक कथा पर समुदाय के स्वामित्व को मजबूत करने में सहायक होगा।

राष्ट्रीय सांस्कृतिक मानचित्रण मिशन के अंतर्गत मेरा गाँव मेरी धरोहर (एमजीएमडी) पोर्टल के उन्नयन पर भी एक प्रस्तुति दी गई, जिसमें इसे संस्कृति मंत्रालय और पंचायती राज मंत्रालय की संयुक्त पहल के रूप में उजागर किया गया। इसके तहत, ग्राम सभा को ग्राम-स्तरीय सांस्कृतिक प्रलेखन के प्राथमिक मंच के रूप में अपनाया गया है, और पंचायतों में संरचित ग्राम सभा बैठकों के माध्यम से व्यवस्थित डेटा संग्रह और सत्यापन संभव हो पाता है। विचार-विमर्श सत्र दो व्यापक विषयों पर केंद्रित था- छत्तीसगढ़ के अनुसूचित क्षेत्रों में जनजातीय सांस्कृतिक विरासत का प्रलेखन और डिजिटल संरक्षण, और परियोजना के क्रियान्वयन के लिए कार्यान्वयन ढांचे को अंतिम रूप देना।

एचएनएलयू का नवम दीक्षांत समारोह कल, मुख्य न्यायाधीश करेंगे संबोधित

रायपुर(विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के प्रतिष्ठित विधि शिक्षण संस्थान हिदायतुल्लाह राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय का नवम दीक्षांत समारोह 22 फरवरी 2026 को आयोजित किया जाएगा। समारोह में भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर दीक्षांत उद्बोधन देंगे। कार्यक्रम का आयोजन दोपहर 2ः00 बजे से 4ः45 बजे तक एमराल्ड हॉल, होटल बेबीलॉन कैपिटल, रायपुर में किया जाएगा। समारोह में माननीय न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा, मुख्य न्यायाधीश, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय एवं कुलाधिपति, विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान करेंगे।

शौर्य और स्वाभिमान का प्रतीक बना शिवाजी चौकः विजय शर्मा

इन चौक-चौराहों का होगा कायाकल्प

शिवाजी चौक लोकार्पण व मूर्ति अनावरण में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बताया कि कवर्धा शहर सहित पूरे छत्तीसगढ़ में विकास की गंगा बह रही है कवर्धा शहर में चौक-चौराहों का सौंदर्यीकरण किया जा रहा है ताकि हमारा शहर की अलग पहचान बन सके। उन्होंने बताया कि वीर स्तंभ चौक निर्माण के साथ-साथ शिवाजी चौक में मूर्ति स्थापना का कार्य पूर्ण हुआ। अब इसके साथ ही रायपुर-राजनांदगांव बायपास मार्ग में सहस्त्र बाहु चौक का निर्माण, राजनांदगांव रायपुर बायपास चौक में संत कबीर चौक का निर्माण, संत गाडगे चौक, करपात्री जी महराज चौक निर्माण हेतु 20-20 लाख रू. की स्वीकृति प्रदान की गई है।

- छत्रपति शिवाजी चौक का लोकार्पण, भव्य प्रतिमा का आतिशबाजी के साथ अनावरण

कवर्धा (विश्व परिवार)। 19 फरवरी का दिन शहरवासियों के लिए ऐतिहासिक बन गया, जब नवनिर्मित छत्रपति शिवाजी चौक का भव्य लोकार्पण एवं वीरता, साहस और राष्ट्र गौरव के प्रतीक छत्रपति शिवाजी महाराज की दिव्य प्रतिमा का विधिवत अनावरण उत्साह और आतिशबाजी के साथ किया गया। पूरे क्षेत्र में उत्सव जैसा वातावरण रहा और बड़ी संख्या में नागरिक इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बने। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विजय शर्मा उपस्थित रहे।

विशिष्ट अतिथि के रूप में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी सहित अन्य जनप्रतिनिधि व गणमान्य नागरिक मंचासीन रहे। सभी अतिथियों ने संयुक्त रूप से प्रतिमा का अनावरण कर कवर्धावासियों एवं चंद्रनाहु कुर्मी समाज को एक ऐतिहासिक सौगात प्रदान की।

मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित विजय शर्मा ने अपने ओजस्वी एवं प्रेरणादायी उद्बोधन में कहा कि कवर्धा के शिवाजी चौक में अब महराज शिवाजी की भव्य प्रतिमा की स्थापना हुई है कवर्धा की जनता की मनोभाव के अनुसार ही शिवाजी चौक में भव्य प्रतिमा विराजमान हुआ है। कवर्धा के नौजवानों के लिए यह स्थल प्रेरणा का प्रतीक है।

मंत्री कश्यप ने नारायणपुर में 65 करोड़ 96 लाख रूपए से अधिक के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

सरकार का लक्ष्य गांव-गांव तक सड़क, सिंचाई और बुनियादी सुविधाएं पहुंचानाः केदार कश्यप

रायपुर (विश्व परिवार)। वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि सरकार का उद्देश्य दूरस्थ गांवों तक सड़क, सिंचाई और बुनियादी सुविधाएं पहुंचाकर ग्रामीण जीवन को आसान बनाना है। उन्होंने विश्वास जताया कि करोड़ों रुपये के इन विकास कार्यों से किसानों को बेहतर सिंचाई व्यवस्था मिलेगी, आवागमन सुगम होगा और सामाजिक-सांस्कृतिक गतिविधियों को नई पहचान मिलेगी।

वन मंत्री ने नारायणपुर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत विकास कार्यों को नई गति देते हुए सालेमेटा और घोटिया में आयोजित कार्यक्रमों के दौरान कुल लगभग 65 करोड़ 96 लाख रूपए से अधिक के विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया। भूमिपूजन किए गए कार्यों में सालेमेटा क्षेत्र के 6276.65 लाख रुपये और घोटिया क्षेत्र के 320.12 लाख रुपये के कार्य शामिल हैं। सालेमेटा में सबसे बड़ा कार्य जल संसाधन विभाग द्वारा कोसारटेडा परियोजना की मुख्य नहर के 24 किमी जीर्णोद्धार का है, जिसकी लागत 4132.58 लाख रूपए है। इसके साथ ही कोरारटेडा नाला पर एनीकट सह सौर उद्वहन सिंचाई योजना के लिए 402.59 लाख, खण्डसरा क्षेत्र में गिरलकोना एनीकट सह सौर उद्ववहन सिंचाई के लिए 423.68 लाख रुपए के कार्य का भूमिपूजन किया द्य इसी प्रकार मुण्डागुड़ा क्षेत्र में योजना के लिए 421.35 लाख तथा सोलगुड़ा स्टॉपडैम सह सौर उद्वहन निर्माण के लिए 422.41 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

दूसरे चरण में घोटिया में आयोजित कार्यक्रम में कुल 320.12 लाख रुपये के विकास कार्यों का भूमिपूजन हुआ। यहां गुनपुर के पास नारंगी नदी पर तटरक्षण कार्य के लिए 298.62 लाख रुपये का प्रावधान है, जबकि हाई स्कूल के पास पुलिया निर्माण हेतु 09 लाख रुपए के स्वीकृत हुए।

इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री बलदेव मंडावी, श्री संतोष बघेल, जिला पंचायत सदस्य श्री निर्देश दिवान सहित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन की मौजूद थे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ विकसित राज्य बनने को अग्रसर : किरण देव

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष देव ने दी मुख्यमंत्री साय को जन्मदिन की बधाई

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के जन्मदिन को भाजपा परिवार द्वारा सेवा-सुशासन-संकल्प दिवस मनाने का आह्वान करते हुए कहा कि श्री साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ तेजी से विकसित राज्य बनने की दिशा में कदम बढ़ा चुका है।

आज प्रदेश का हर वर्ग किसान, महिला, युवा, सभी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की नेतृत्व वाली भाजपा सरकार की योजनाओं का लाभ ले रहे हैं।

श्री देव ने कहा कि कल 21 फरवरी को मुख्यमंत्री श्री साय का 62वां जन्मदिन है जिसको लेकर भाजपा द्वारा मुख्यमंत्री श्री साय के जन्मदिन को भव्य रूप से मनाने का निर्णय लिया है। आज मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में बस्तर लाल आतंक से मुक्त हुआ है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री देव ने कहा कि प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद मुख्यमंत्री श्री साय ने कई बड़े-बड़े निर्णय लिए हैं, जिसका लाभ आज प्रदेश के सभी वर्ग के लोगों को मिल रहा है।

सेवा-सुशासन-गरीब कल्याण के लिए लगातार मुख्यमंत्री श्री साय कार्य कर रहे है। श्री देव ने कहा कि छत्तीसगढ़ को एक कुशल नेतृत्व मिला है जिसका लाभ प्रदेश को मिल रहा है। भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता जन सेवा को प्रभु सेवा मानकर कार्य करते है। मुख्यमंत्री श्री साय आज छत्तीसगढ़ को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए कार्य कर रहे हैं।

पियूष मिश्रा की गरिमामयी उपस्थिति से जगमगाया इंटर प्रेस टूर्नामेंट का समापन

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रेस क्लब रायपुर द्वारा आयोजित स्व. कुलदीप निगम इंटर प्रेस टूर्नामेंट का भव्य समापन समारोह आज अत्यंत उत्साह, ऊर्जा और गरिमा के साथ संपन्न हुआ। यह आयोजन पत्रकारिता जगत के लिए केवल एक खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि आपसी समन्वय, सौहार्द और टीम भावना का प्रतीक बनकर सामने आया। समापन अवसर पर उत्तर विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक श्री पुरन्दर मिश्रा जी के प्रतिनिधि के रूप में श्री पियूष मिश्रा जी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल केवल शारीरिक क्षमता का प्रदर्शन नहीं, बल्कि अनुशासन, समर्पण और सकारात्मक प्रतिस्पर्धा का माध्यम है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./27888/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 20-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 27888
वार्ड का नाम- 52- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 52 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR446L00067 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती DILIP KUMAR SHARMA पिता/पति, श्री/श्रीमती BASANT KUMAR SHARMA के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती DIVYA SHARMA पिता/पति, श्री/श्रीमती DILIP KUMAR SHARMA ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री विवेकानन्द दुबे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

संजय जैन बोहरा पुनः अपेक्स बैंक के प्रतिनिधि नियुक्त

दुर्ग (विश्व परिवार)। नागरिक सहकारी बैंक मर्यादित दुर्ग के निर्वाचन की आज अंतिम प्रकाशन संपन्न हुआ निर्वाचित संचालकों ने आज रुंगटा पैनल के श्री कमल नारायण जी रुंगटा को पुन अध्यक्ष निर्वाचित हुए उपाध्यक्ष मनोज तांमरकर और महिला वर्ग से उपाध्यक्ष नीलू देवांगन निर्वाचित हुई इस अवसर पर संस्था के द्वारा 6जगह प्रतिनिधि पद का भी निर्वाचन हुआ। छत्तीसगढ़राज्य सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित अपेक्स बैंक हेतु फिर समाजसेवी संजय जैन बोहरा को प्रतिनिधि हेतु चुना गया आप पूर्व में भी दो बार प्रतिनिधि रह चुके हैं।

व्हीआईपी रेलवे समपार फाटक मरम्मत के चलते रहेगा बंद

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर रेल मंडल में रेलवे व्ही.आई.पी समपार फाटक क्रमांक आर.व्ही 06 किलो मीटर 04 /18-20 (व्ही.आई.पी गेट) में आवश्यक एवं विशेष मरम्मत कार्य हेतु दिनांक 23-02-2026 को प्रातः 09ः00 बजे से सायं 18ः00 बजे तक सड़क यातायात का आवागमन बंद रहेगा द्य व्ही.आई.पी रेलवे क्रॉसिंग पर स्थित ओवर ब्रिज से आमजन आवागमन कर सकते हैं। आमजन को होने वाली असुविधा के लिए रेलवे खेद प्रकट करता है एवं विकासात्मक कार्यों में

जिन्दल स्टील ने सीएसए स्कोर में 42 अंकों की छलांग लगाई

सस्टेनेबिलिटी ईयरबुक 2026 में मिली जगह

रायपुर (विश्व परिवार)। जिन्दल स्टील लिमिटेड ने अपने कॉर्पोरेट सस्टेनेबिलिटी असेसमेंट (CSA) स्कोर में 42 अंकों की शानदार बढ़ोतरी दर्ज की है। कंपनी का स्कोर 100 में से 30 से बढ़कर अब 72 हो गया है। साल 2025 के शानदार प्रदर्शन के आधार पर जिन्दल स्टील को स्टील इंडस्ट्री के लिए 2026 सस्टेनेबिलिटी ईयरबुक में सदस्य के रूप में शामिल किया गया है।

दुनिया भर में जांची गई 9200 से अधिक कंपनियों में से केवल 848 (59 उद्योगों से) को ही इस सूची में जगह मिली है। स्टील सेक्टर में 129 कंपनियों का आकलन किया गया था, जिनमें से केवल 11 चुनी गईं। यह सुधार बेहतर गवर्नेंस, पारदर्शी सूचना प्रणाली, सामाजिक प्रदर्शन और जलवायु परिवर्तन की दिशा में किये गए ठोस प्रयासों को दर्शाता है। जिन्दल स्टील ने सार्वजनिक रूप से जानकारी साझा करने की अपनी दर को बढ़ाकर 96त्न कर लिया है। ट्रांसपेरेंसी और रिपोर्टिंग के मामले में कंपनी ने 100 में से 100 अंक हासिल किये, जबकि इस उद्योग का औसत स्कोर केवल 46 है। वित्त वर्ष 2025 में कंपनी ने जैव विविधता (Biodiversity) और जलवायु जोखिमों को अपने बिजनेस मॉडल का हिस्सा बनाया। स्टील जैसे कठिन सेक्टर में होने के बावजूद, कंपनी ने पर्यावरण नीति में 99/100 और क्लाइमेट गवर्नेंस में 100/100 अंक प्राप्त किए। जिन्दल स्टील 2047 तक नेट-जीरो (शून्य कार्बन उत्सर्जन) और 2030 तक कार्बन उत्सर्जन में 30त्न की कमी लाने के लिए प्रतिबद्ध है। नवीन अहलावत (प्रेसिडेंट और हेड -

छत्तीसगढ़ के मीडिया दल ने मिन्तोकगांग में मुख्यमंत्री तामांग से शिष्टाचार भेंट की

सिक्किम से हरीशंकर सोनी की रिपोर्ट

सिक्किम (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ प्रेस बिरादरी के 12 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने आज मिन्तोकगांग में मुख्यमंत्री श्री प्रेम सिंह तामांग से शिष्टाचार भेंट की। बातचीत के दौरान, मुख्यमंत्री ने सिक्किम सरकार द्वारा की गई विभिन्न विकासात्मक पहलों और प्रगतिशील नीतियों के बारे में विस्तृत जानकारी साझा की। उन्होंने राज्य की शांत पारिस्थितिकी और चीन, नेपाल तथा भूटान के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमाएँ साझा करने वाले एक रणनीतिक सीमावर्ती राज्य के रूप में इसके महत्व पर प्रकाश डाला। सतत विकास पर जोर देते हुए, उन्होंने सिक्किम में जारी जैविक खेती (Organic Farming) प्रथाओं और राज्य की

अर्थव्यवस्था पर उनके सफल प्रभाव के बारे में बात की। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के उपायों और व्यापक वन क्षेत्र के महत्व को भी रेखांकित किया, जिसने सामूहिक रूप से राष्ट्र के हरित राज्य के रूप में सिक्किम की पहचान को मजबूत किया है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, सिक्किम देश के बाकी हिस्सों के साथ पहले से कहीं अधिक गहराई से जुड़ा हुआ महसूस करता है। केंद्र सरकार के केंद्रित ध्यान और समावेशी दृष्टिकोण ने हमारी अपनेपन की भावना को मजबूत किया है और उन बंधनों को सुदृढ़ किया है जो हमें एक राष्ट्र के रूप में जोड़ते हैं। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि हर घर तिरंगा और वंदे मातरम जैसी पहल महज कार्यक्रम होने से कहीं आगे निकल गई हैं; वे एकता, गौरव और साझा राष्ट्रीय पहचान के शक्तिशाली प्रतीक बन गए हैं।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./28816/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 20-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28816
वार्ड का नाम- 54 - कामरेड सुधीर मुखर्जी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 54 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR652N0894A जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती MS CHAITANYA CONSRUCTION DWARA ABHISHEK YADAV पिता/पति, श्री/श्रीमती B.M. YADAV के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती HARISH SAHU पिता/पति, श्री/श्रीमती PUNIT RAM SAHU ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री विवेकानन्द दुबे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./28730/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 20-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28730
वार्ड का नाम- 52- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 52 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR651I00578 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती KEYA BANERJEE पिता/पति, श्री/श्रीमती SUBROTO BANERJEE के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती ADARI SATYAWATI पिता/पति, श्री/श्रीमती ADARI VENKAR RAJU ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री विवेकानन्द दुबे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./28717/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 20-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28717
वार्ड का नाम- 54 - कामरेड सुधीर मुखर्जी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 54 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR652J0420A जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती BHARTI SONWANI पिता/पति, श्री/श्रीमती DILESHWAR SONWANI के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती BHARTI SAHU पिता/पति, श्री/श्रीमती UMEND RAM ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री विवेकानन्द दुबे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./28699/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 20-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28699
वार्ड का नाम- 50 - पं. विद्याचरण शुक्ल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 50 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR445G00033 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती NARENDRA DODWANI पिता/पति, श्री/श्रीमती ANAND RAM DODWANI के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती MAHALAXMI CHHATRI पिता/पति, श्री/श्रीमती SW. D. GURAYYA ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री विवेकानन्द दुबे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./28659/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 20-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28659
वार्ड का नाम- 54 - कामरेड सुधीर मुखर्जी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 54 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR652N0517D जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती MA SHARDA BUILDCOM DWARA BHAGIDAR - MAHESH DHANGAR पिता/पति, श्री/श्रीमती ..... के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती RANJANA BISWAS पिता/पति, श्री/श्रीमती AMAR BISWAS ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री विवेकानन्द दुबे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

डिंपल्स कॉस्मेटिक सर्जरी द्वारा गालों में स्थायी डिंपल्स
कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर
फोन : 9827143060/8871003060

RAIPUR BUSINESS HUB
ITR फाईल बनवाएं मात्र 500/-
GST रजिस्ट्रेशन | TDS रिफंड
CMA DATA | BALANCE SHEET
MSME रजिस्ट्रेशन | फूड लाइसेंस
प्रोजेक्ट रिपोर्ट | TAX AUDIT
हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं
(व्हाट्सएप पर भी बनवाएं)
संपर्क - शेखर गुप्ता 9300755544, 8878655544

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25

विश्वास निर्माण गौरव
विष्णु का सुशासन

समावेशी विकास और जनकल्याण का आधार

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

महिला सशक्तीकरण

महतारी वंदन योजना
68.39 लाख महिलाओं को 24 किस्तों में कुल ₹15,588.36 करोड़ अंतरित

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना
37 लाख से अधिक महिलाएं लाभांवित

महतारी सदन
368 महतारी सदनों के निर्माण हेतु ₹108.78 करोड़ स्वीकृत

युवा सशक्तीकरण

आयु सीमा
सरकारी नौकरियों में अधिकतम आयु सीमा में 5 वर्ष की छूट

पदों पर भर्ती
लगभग 32,000 रिक्त शासकीय पदों पर भर्ती प्रक्रिया जारी

उद्यम क्रांति योजना
स्वरोज़गार के लिए 50% सब्सिडी पर ब्याज मुक्त ऋण

किसान कल्याण

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि
26 लाख किसान लाभांवित

धान
₹3100/क्विंटल और 21 क्विंटल/एकड़ की दर से धान खरीदी

बैंक राशि
दो वर्षों में किसानों के खातों में ₹1.50 लाख करोड़ से अधिक की राशि अंतरित

औद्योगिक विकास

नई औद्योगिक नीति लागू
₹7.83 लाख करोड़ से अधिक का मिला निवेश प्रस्ताव

औद्योगिक हब
नया रायपुर बन रहा औद्योगिक हब

चिप यूनिट
₹1100 करोड़ की लागत से चिप यूनिट स्थापित

26 लाख से अधिक आवास स्वीकृत

400 से अधिक प्रशासनिक सुधार से निवेश की राह आसान

पारदर्शिता लाने सुशासन एवं अभिसरण विभाग का गठन

₹51,080 करोड़ से रेल परियोजनाओं का हो रहा क्रियान्वयन

₹40 हज़ार करोड़ से अधिक लागत से राष्ट्रीय राजमार्गों का हो रहा विकास

SAMVAD - 46967/144

सरल, सहज और उदार व्यक्तित्व वाले माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी को हार्दिक शुभकामनाएं

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क
Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in